SKT. NEWARI LANG.

Short Title 1. BHAIRAVĀGNI-YAGYA-VIDHI
2. 'SIRĀHUTI VIDHI

NEPAL-GERMAN MANUSCRIPT PRESERVATION PROJECT

Place of Deposit: RĀMA KARMĀCĀRYA Private: KTM|PTN|BH NĀLĀ

Manuscript No. विषय TANTRA Running No. I. 474

TITLE (acc. to Colophon/Catalogue):

ĀDAU → 1. ATHA BHAIRAVĀGNI-YAGYA-ĀRAMBHAṂ KARIKṢETE // HOMA PIṂDĀNE 'SILA-HOMA-YĀYA-VIDHI // 2. ITI 'SIRA HOMA-// HOMA ~~PIDAM~~ PIDAṂNE VIDHI SAMĀPTAḤ. 3. ITI 'SIRĀHUTI VIDDHI SAMĀPTAḤ. →

AUTHOR:

No. of leaves: 39 Incompl. Size in cm 38.7 × 11.2 Reel No. I. 27/8

Date of filming: 24.9.79 Script – Devang – Newari – Tibetan – Maithili

Remarks: paper – Thyasaphu – palm leaf, damaged by worms – rats – water – smoke – breaking

~~Colour slide: No.~~

SCRIBED: JAYANTA RĀJA

Date: NS, ~~VS, Shaka~~

869

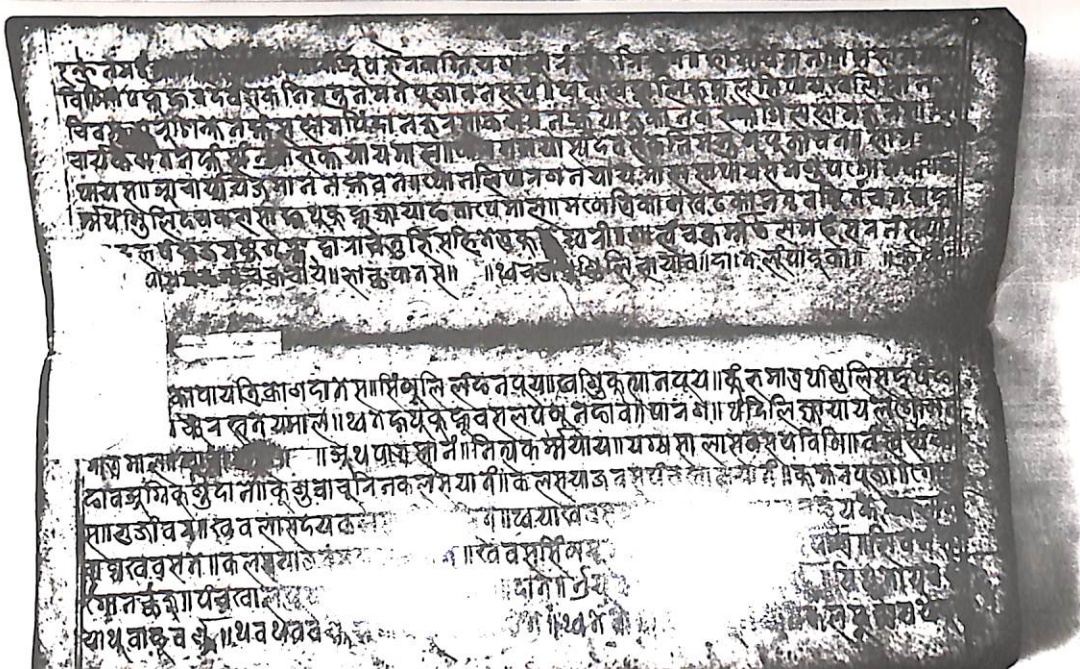

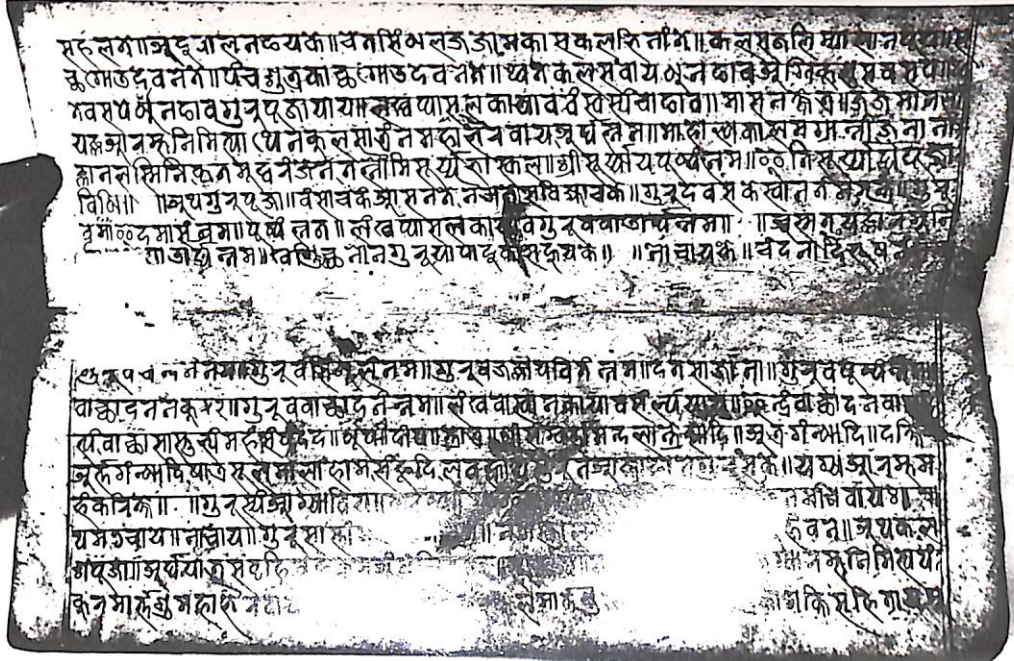

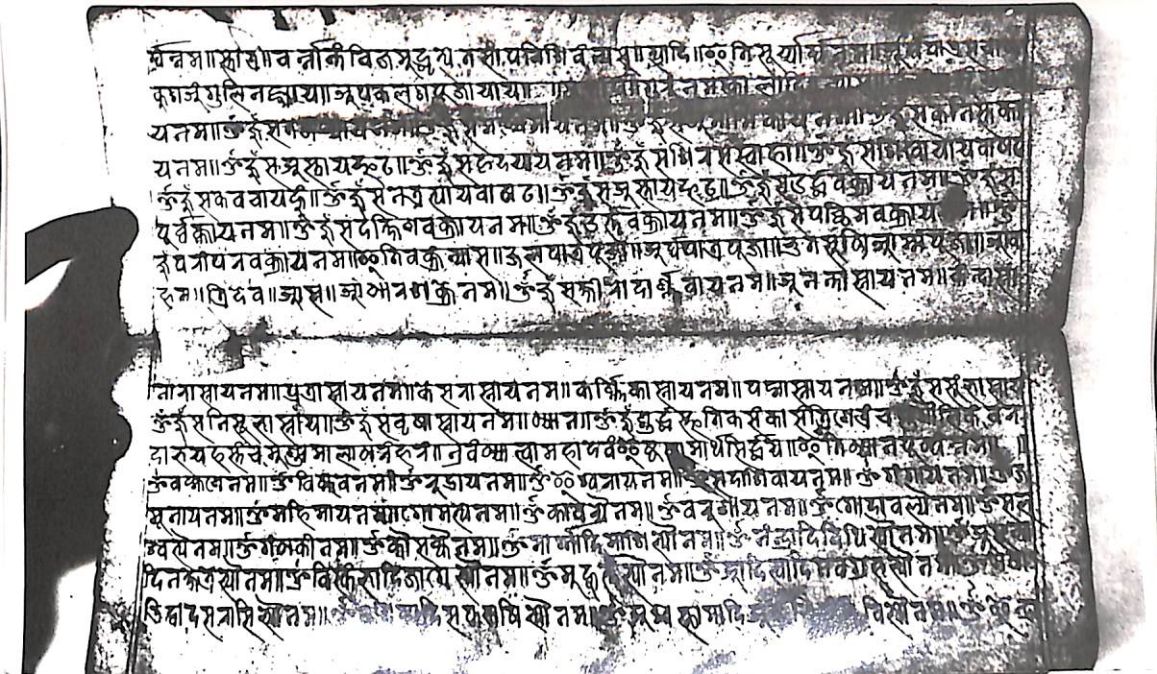

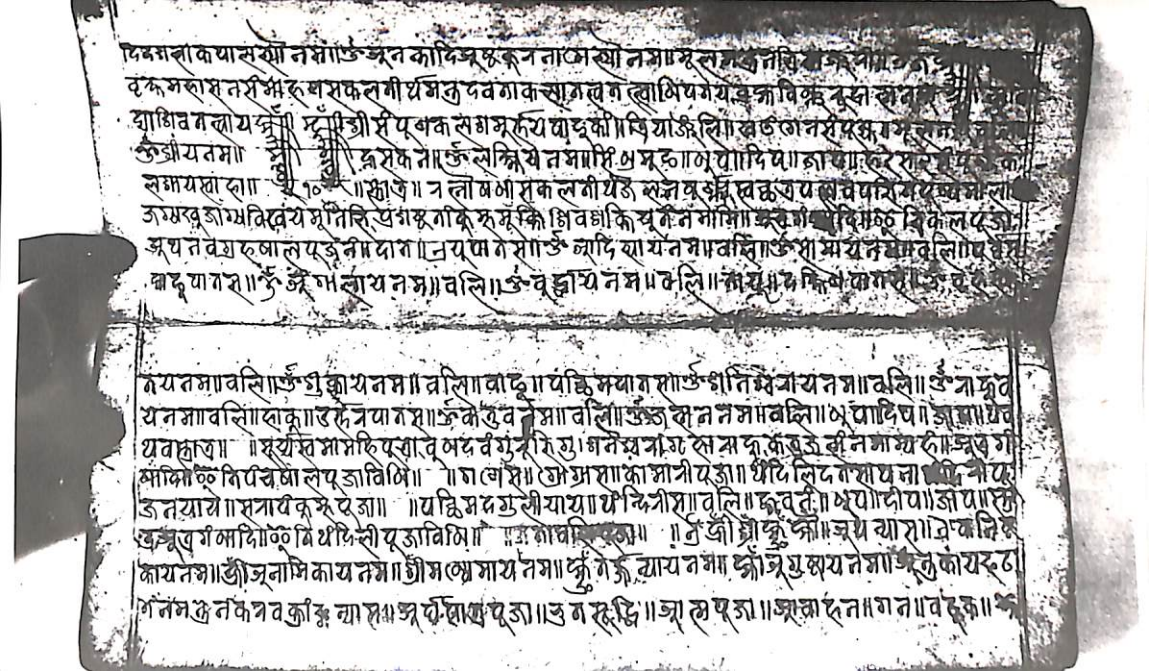

जाययागनी॥ ध्यनं सं वलि॥ब्रह्मान्यादि॥ध्यनं सं वलि॥ ॥ॐ श्रीचक्रसंस्थायोगीनी वलि गृह्न २ मम सिद्धि कुरु कुरु स्वाहा॥ॐ ह्रीं अरु ह्रां हिः क्षयानाय वलि गृह्न २ स्वाहा॥ ॥अर्घपात्र वडे॥ वमीमि॥ गं
यायहूरुडाय ध्यानं मूलमन्त्रेन त्रियांजलि॥ क्षत्रनां वलि॥ ह्रिं ह्रिं क्ष्मा क्षयरुद्र स्वाहा॥ अर्हतीनम॥ सर्वत्र
टक नमः॥ आक्रि नमः वलि गृह्न २ स्वाहा॥ वृषभीनम॥ नकाक्षि नम॥ स्मशानवासिनम॥ ॐ कृत्यायोगीनीनम॥
ॐ पूरुषे नवाय नमः॥ यक्षकध्वंसीनम॥ लिवकर्षतीनम॥ हुं हुं कार ॐ ह्रीं मस्ॐ ऊँ कार ॐ ह्रीं मम योगीनी त्याः वलि
गृह्न २ स्वाहा॥ त्याक मराहावलि तर्पनक॥ धूप॥ दीप॥ जाप॥ क्षत्रनी॥१०॥ स्तोत्र॥ पूर्वविद् ह्रिं ग यक्षिभोकृ तोस्मि
वाप वामिस्मा तासिकारक्षे ध्यावटनुगदु मेनि नयस्त व स्वनाथय वडमेरुमात्र डव नमादि वनुज॥ सा
दिक्षाधपतनि यानन्द मयि प्रभादिद सूरखदा व स्थानपूजाविधि॥ ॥ भूमि वलि पूजाविधि॥ ॥४

ॐ नमाश्री महाभैरवाय॥ ॥भिहासनस्थान॥ ॥ [illegible] वी॥ माम तक्षत॥ अखण्ड मण्डलाकार॥ गुरु
नमस्कारं कुला॥ ॥अर्घ पात्र संकल्प॥ कन सा मनी॥ ॐ ञ्ह्रां स्त्राय फट्॥ ॐ ह्रु दयाय नम॥ ॐ ह्रीं शिरसे स्वा
हा॥ ॐ ह्रुं शिखायै वषट्॥ ॐ ह्रैं कवचाय हुं॥ ॐ ह्रौं नेत्रत्रयाय वौषट्॥ ॐ ह्रः अस्त्राय फट्॥ नमनक लङ्गं गन्ध सा
वडीगेन अर्घपात्र पूजा॥ आवाहन स्ते न सूत्र॥ रून सूक्ति॥ अर्घपूजा॥ अर्घपात्राय दकनाम अमनेचि चय॥ चन्द
नादि॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं श्रीशिखास्वच्छन्द महाभैरवाय नम॥ सिचिक्षनी॥ ज्ञानदृष्टि नमः॥ ॐ ह्रौं ॐ अस्त्राय फट्
थाक्षय॥ अर्घपात्र संरक्षनाय क्रन्दसा॥ २॥ ॐ ... स्त्राय फट्॥ कुसुनगातु नी॥ ... नयः॥ ३॥ ॐ ह्रैं कवचा
य हुं॥ अवकुण्ठनी॥ संरक्षनाय॥ ४॥ ॐ ह्रः अस्त्राय फट्॥ खननी॥ या... ॥ ॐ ह्रीं शिवन
हा॥ उभवनी॥ वावाय॥ ५॥ ॐ ह्रौं ... याय नम॥ पूवनी॥ चा... ॥ ... हा॥ सर्व

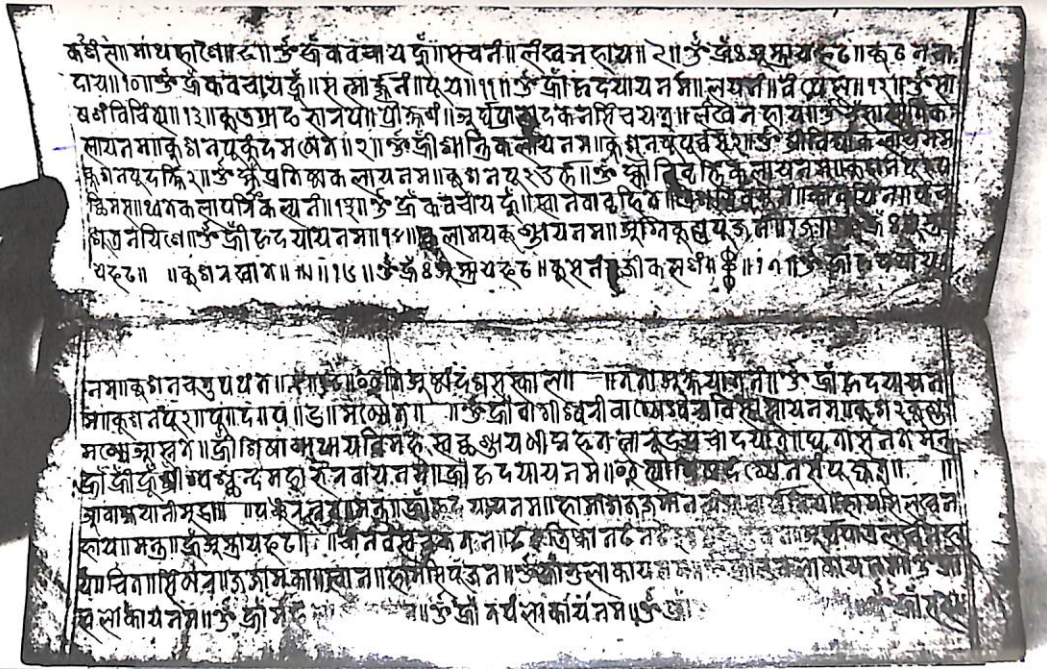

लोकाय नमः॥ ह्रूं लक्ष्मीगय पूजनी॥ त्रिकान समपूजने॥ पर्व सा॥ ॐ ह्रां आ नवकाय स्वाहा॥ [illegible] ॐ नीविघ्ना
नेत्राय नमः॥ वायु वसा॥ ॐ ह्रूं विघ्नत्वाय नमः॥ ॐ ह्रां वह्नि सूवाय [illegible] दे खङ्ग [illegible] वा
ह्नियेचादया॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रूं खङ्ग नमः लोहे नवाय सर्वमस्वाय नमो॥ [illegible] नी॥ [illegible] ॥ [illegible] नी पूजना॥ ॐ
वागीश्वरी नमः॥ ॐ ह्रां योगीश्वरी नमः॥ नमा भ्मानी॥ ॐ भूनगी पूष्य श्री काहे देव [illegible]
लादेवी स्वद्र स्नानाभर्तृकं नाम॥ [illegible] जामकवक्राच थिनत्रविरु गामिनी॥ दगवा [illegible]
वनी॥ रूपा वाद्रा समसर्व्वं न या द्या गौविरा ब्रह्म॥ ॥ कूल्न मध्ये ध्यान विधि [illegible] ध्यानीय पूजनम् [illegible]
याय नमः॥ ह्रूं स्वादि मर्द नर्मपूज॥ ॥ शिमिमा पाथ कायाचक्रम वक्र सन्द कन न॥ या सकूस [illegible]
शिमि मापा थने सूर्य जाकि मन्त्या दा मिमाका या वश्च्या यक्ष गया [illegible] पाथ स नम॥ ॐ ह्रौं ह्रीं [illegible]

ह्रूं मचारेन्द्राय नमः॥ ॥ तिथि कोर्णी॥ साय॥ ॐ ह्रूं अस्त्राय फट्॥ [illegible] म साय॥ [illegible]
दामोदनी॥ ॐ ह्रूं कवचाय हूं॥ अवगुण्ठनी॥ थम वसुस्स्कान॥ अभिमा [illegible] दो न सपूज [illegible]
दक्षयज्ञ॥ ॥ नमः॥ कच्या पाशिपिका या वथ्या सास म॥ मन्त्र॥ ॥ ॐ ह्रूं अस्त्राय [illegible] या [illegible] फट्॥ म [illegible]
ॐ ह्रां क्रथा पाशिय हृदयाय नमः॥ ह्रूं स्वादि॥ रवेजा मे नरीपू [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॐ [illegible] ॥
प्रकाननि मक नयास॥ स्वा मिस॥ ॐ ह्रीं क्रच्या पाशिय स्वाहा॥ आदृशि न्ती [illegible] य [illegible]
मन्त्र॥ ॐ ह्रूं सर्वविघ्न [illegible] सर्वत्र नमोवलि ग ह्रीं स्वाहा॥ [illegible] पसद्वि [illegible]
यरूगीं विघ्नकर्त्ता सि नमस्याम्ते नवक्षया॥ ॐ ह्रूं अस्त्राय फट् क्रच्या पाशिय हूं फट्॥ नया [illegible]
विसर्जना॥ सूनयनु आखि तिनिरू बीदि॥ चतुर्स्कोल॥ बर्जगदि॥ ॐ सौं अमिय नग॥ [illegible]

अग्निशादाय॥ सर्पाथकायाविघ्नमथनवा॥ ॐ ह्रीं [illegible] स्वाहा॥ रोरे नवायनमाः॥ त्रिपति [illegible]
स्वर्द्ध्य [illegible] र्णा॥ अग्निकुण्डायक्र॥ खचार्क [illegible] पंकं न्द्र॥ मंत्रे [illegible] वज्र॥ [illegible]
नसकर्य॥ अग्नि [illegible] पनमन्त्र॥ ॐ ह्रीं नाचीरे वधिव [illegible] मा॥ [illegible] नदे मन्त्र॥ [illegible]
मसूनमन्त्रना॥ [illegible] न॥ क्षितिमता पाथउपनप॥ [illegible] स्वाहा॥ ॥ अग्नि [illegible]
निमित्र [illegible] नस्त॥ ॐ ह्रां ह्रीं [illegible] नमं [illegible] स्वाहा॥ [illegible]
वागाव्वनस्वा वा गान्वनीसवा [illegible] अग्नि [illegible] वरानपा॥ वागीश्वरी [illegible]
[illegible] स्वस्ति [illegible] स्वस्ति मार्सपुम वचा॥ यागिनी स्वस्ति [illegible] स्वस्ति पीथ [illegible]
[illegible] स्वस्ति [illegible] गमसूतुगु [illegible] वना॥ [illegible]

स्वस्ति स्वचक्रका॥ स्वन [illegible] स्वसूत्र [illegible] स्वाय [illegible] वाग्नि [illegible] स्वस्ति [illegible]
[illegible] स्वस्ति [illegible] मन्त्रना [illegible] स्वस्ति [illegible] देवना॥ स्वस्ति [illegible]
प्रज्ञानाक्षयनमानाय [illegible] सर्वदा॥ [illegible] प॥ [illegible] वलिविय॥ [illegible] वलि [illegible]
[illegible] वगासन॥ वलिविधमन्त्र॥ ॐ [illegible] सर्वविघ्न [illegible] वलि [illegible] स्वाहा॥ ॥ [illegible]
सर्वक्रिय [illegible] विघ्न [illegible] विवाह्य॥ ॥ [illegible] ॐ ह्रीं [illegible] नमः [illegible]
[illegible] वलि [illegible] ॥ ॐ ह्रीं अग्नि [illegible] ॥ ॐ ह्रीं [illegible] वचाय [illegible]
[illegible] ॐ ह्रीं वागीश्वरी [illegible] नमः [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॐ ह्रीं [illegible]
[illegible] ॐ [illegible] ॥ [illegible] विधि॥ ॥ ॐ [illegible]

वज्राय नमः॥ पूजनं॥ ॐ ह्रूँ हृदयाय स्वाहा॥ गन्धं लाञ्छनं तुथी॥ ३॥ ॐ गन्धाभाय स्वाहा॥ [illegible] विनयगान्धु
निदया॥ ततः गरभिन॥ ॐ ह्रौं विवामवाय उर्ध्ववज्राय नमः॥ पूजनं॥ ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा॥ [illegible]
पुष्पिदाय स्वाहा॥ धनपूजववी॥ मासनुथी आ त्वा॥ ॐ ह्रौं नैऋत्य लायदक्षिणवज्राय नमः॥ पूजनं॥ ॐ ह्रौं
शिखाय स्वाहा॥ अङ्गवज्रांगकल्पनी कृत्यक्षि [illegible] पाठनं निस्कनी॥ ॥ॐ भिमक्षानय नस्वाहा॥ धगान्धविमा
रवटमासक्षात्वा॥ गीवासिभा कनि वाद्यु॥ क्र्याति पलिकल्पय॥ वज्रि ति रा गकल्पनायाय॥ ॐ भावनत्वाय
स्वाहा॥ आहुति॥ ॐ विद्यानत्वाय स्वाहा॥ ॐ आत्मनत्वाय स्वाहा॥ मूरवहृदय प्रादिकल्पयनं॥ ॐ ह्रौं हैंस
नवज्राय स्वाहा॥ ॐ यं नस्वूलूरववज्राय स्वाहा॥ ॐ यं अघोरवज्राय स्वाहा॥ ॐ वं वामदेववज्राय स्वाहा॥ ॐ
लं सद्योजातवज्राय स्वाहा॥ ततः वज्रनिस्कषा॥ ॥ॐ हूँ सनत्रनञकल्पयनं॥ ततः गीसप्तासयनं

गुक्र ३

ॐ ह्रौं नत्पुरुषाय पूर्ववज्राय नमः॥ पूजनं॥ ॐ ह्रूँ कवचाय स्वाहा॥ आहुति॥ ॐ ज्ञानस्रोय स्वाहा॥ पूनाञ्जु
ति॥ दशभसांशी पूर्ववज्रानं॥ ॥अथ ४ आन॥ ॐ ह्रौं क्षा ला मा ला कू लंभ्रं लाभि ततत्रचानू अंप्रसं॥ दक्षिणे
ववदशकि वा म [illegible] कमगुली॥ सफति ह्याम [illegible] नडं मधारूटने मामयहा॥ त्रवं व्यास्वायडंदवं वज्रि नूपम
[illegible] ला॥ ॥ [illegible] गिसआन॥ ॥सद्यस्नकमाणम॥ ॐ ह्रौं अस्त्राय फट्॥ अग्निकुण्ड लीरवनहाय॥ ॐ ह्रौं
कवचाय हूँ॥ नक्षत्रियस्वलासपीविनक्रुगनपूआनन॥ ॐ ह्रौं अस्त्राय फट्॥ मक्षास कथमेकुनं॥ ॥ॐ ह्रौं
वागीश्वरीनमः॥ पूजनं॥ हसारसनादवीविचित्रुथनु॥ ॐ ह्रौं ४ अस्त्राय फट्॥ अग्निकुण्डप्यविनी लीरवन
हाय॥ ॥अस्त्रनमकुनगादनी॥ ॐ ह्रौं कवचाय हूँ॥ लीरवनहाय॥ मसा॥ ॐ ह्रौं अस्त्राय फट्॥ मरव ला
पीविनी॥ कुशनपूआनन॥ सक सालाप्रनाजाया॥ ॥अस्त्रलपंचसमिभहाम॥ या पा लु प्रलथू [illegible]॥

चतुर्वेदि स्थापनं॥ ॐ ब्रह्माण्याय नमः॥ कुं गं धि पि शि पू ठि॥ ॐ ह्रां ब्रह्म मूर्त्तये नमः॥ ॐ ह्रां ब्रह्मणे
स्वाहा॥ पूर्वे ऋगुवेदा॥ ॐ ह्रां सर्वकलाय नमः॥ कुं गं गं धि शि पू थि॥ ॐ ह्रां गं क संमूर्त्तये नमः॥ ॐ
ह्रां टंकलाय नमः॥ पूजनं॥ ॐ ह्रां शंकलाय स्वाहा॥ आहुति॥ दक्षिण यजुर्वेदा॥ ॐ ह्रां विष्णवाय नमः॥ कुं गं धि शि
ठि॥ ॐ ह्रां विष्णु मूर्त्तये नमः॥ ॐ ह्रां विष्णवे नमः॥ पूजनं॥ ॐ ह्रां विष्णवे स्वाहा॥ आहुति॥ पश्चिम सामवेद॥ ॐ
ह्रां अनन्ताय नमः॥ कुं गं धि शि पू थि॥ ॐ ह्रां अनन्त मूर्त्तये नमः॥ ॐ ह्रां अनन्ताय नमः॥ पूजनं॥ ... म
उत्तरे अथर्ववेदा॥ इति चतुर्वेदि स्थापनं॥ ॥अग्निकुण्ड लोकपाल पूजनं॥ ॐ ह्रां लं इन्द्राय नमः॥ ॐ ह्रां रं
अग्नये नमः॥ ॐ ह्रां मं यमाय नमः॥ ॐ ह्रां क्षं नैरृत्याय नमः॥ ॐ ह्रां वं वरुणाय नमः॥ ॐ ह्रां यं वा
यवे नमः॥ ॐ ह्रां सं कुबेराय नमः॥ ॐ ह्रां हं ईशानाय नमः॥ ॐ ह्रां अं ब्रह्मणे नमः॥ ॐ ह्रां

ॐ ह्रीं अनन्ताय नमः॥ ॐ ह्रां इन्द्र क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां त्रिपुरान्तक क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां अग्निवे
ताल क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां अग्निजिह्वाल क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां कालाग्नि क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां क
रालि क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां एकपाल क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां भीमरूप क्षेत्रपालाय नमः॥ ॐ ह्रां मरू
पालाय नमः॥ ॐ ह्रां कामपितृ क्षेत्रपालाय नमः॥ स्वाहान्त आहुति॥ ॐ ह्रां अं असितांग भैरवाय नमः॥ ॐ
ह्रां कं रुरु भैरवाय नमः॥ ॐ ह्रां चं चण्ड भैरवाय नमः॥ ॐ ह्रां टं क्रोध भैरवाय नमः॥ ॐ ह्रां तं उन्मत्त भै
रवाय नमः॥ ॐ ह्रां पं कपाल भैरवाय नमः॥ ॐ ह्रां यं भीषण भैरवाय नमः॥ ॐ ह्रां शं संहार भैरवाय नमः॥ स्वा
ना स्वाहान्त आहुति॥ स्थापनं अग्निकुण्ड ॥ नमः कुण्ड दक्षिण ... मध्य
... अनिरुद्ध ... ॥ प्रनवामन ब्रह्म स्थापनं॥ ॐ ह्रां ... नमः॥ ... ॥ ... ॥

पानवतुर्व्वाद्रुव्रक्मा नंवतु म न न॥ हुमया नंचविसावी दशुअकुरुकोमतुर्दू॥ ॐ क्रां व्रं क्रायवी नमा

रुवँदोहे नसपुस्म॥ घ्र नवुंक्रा स्थपना॥ ॥नशा कूगुसाचाद्दय रा ग्रेअ स्वप्रु पत्रा संप्र मौमि स्थपुना॥ ॐ [illegible]

कृताखाय नमः॥ अनान॥ जुनकी पू लुलीका क्रं दृष्मा नादेशा गू ने द्रुमी॥ विन्दुदीप्र नीकोगं कूमा नूट प्रयुजय

ॐ क्रांविष्णवनमः मषक्तगे घमपञ॥ ॥थ्वनप्रतिमि कूसिनि मदन माम त्रिमु लामदृद्रकुगं ग्रेकि कुप

नप्रथिमि सपथ्व मप्रतिमि स्थपना॥ गोतःथ्व सिं नका चाद वऊ लाम भकूश ग्रेक्रि कुप सियादवन म छ्वस शा॥

व्रह्माप्रगाक्ति खय सम नवल्थ वस्त्र वन व्रह्मा उवलाम खवलाम प्रशीनि॥ नयाव॥ चशुनादि पूऊ ना॥ थ्व ने

व्रह्माप्रणानि स्थापन॥ ॥शा शा लाकया लाय ठ्ठ भक्र गिवा सकं पासथिक्मा थ ठ्ठ ल्या ज्ञा आवया॥ थ्व ने

प्राथना लाकपास सकां॥ ॥छा कश्रु वा मा चाय॥ ॐ ह्रीं अस्त्राय फट्॥ सी खन लाय भसर्पना॥ [illegible]॥ [illegible]

दवकूग नथियकश्रु वा॥ ॐ क्रां स्नान खाय नमः॥ कूगपा लन कुवा पास थियक॥ ॐ क्रां विद्यान खाय नमः॥

कूगमध्य नकुवास थ्व सथियक॥ ॐ क्रां शिवन खाय नमः॥ क्षगचा नगुवा चा ना॥ पूज न॥ ॐ क्रीं सक्षे नमः॥

कुवा पूज ना॥ ॐ क्रीं शिवाय नमः॥ पूजन॥ कुन निन्द नाउ क्षायचीन॥ पूष्प॥ ॐ क्रां कवचाय हुं॥ मिश्रुत्रिका न

थिंन॥ ॐ क्रांकु कश्रु वा खं नमः॥ पूजन॥ कुवा म लीख पाप ड थ छावकु व्रा चा न शायकाव सं घनिकसा हाय

सद्र्याव नृवा नलियू लान दयाव कुवा याका म सन॥ ध्र लीख कुवा चाद्व न कूलु छाय फाव पणी न सत्या कू मन

पूजा सतन॥ स्वह्क्रि गस्थापा॥ ठ्ठ कि कुवासा म न विधि॥ ॐ क्रां अस्त्राय फट्॥ मवक वतुवा साम नय॥ लीख नस

यम मयना॥ स्वयमिक॥ मतक सद्य सन॥ मन्त्र॥ ॐ क्रों हृदयाय नमः॥ विश्व देवू सद्य न पाय न थ छावसा [illegible]

पु॥ विलिशु णाक्रि॥ वकु स्वाव॥ [illegible] ॥ अक्षिकूशु स्वाका [illegible]॥ पुनका लक॥

मन्त्रा॥ ॐ ह्रूँ ... खाय ... कुलिस ... नयाव ब्रह्म मयी भ्या त्वा॥ ध्यन विन्दा ... [illegible]
मन्त्र॥ ॐ ज्रौं ब्रह्म ... स्वाहा॥ वंकुलि ... नयाव विष्णु मयी भ्या त्वा॥ ध्यन विन्दाने॥ ... [illegible]
मन्त्र॥ ॐ ज्रौं नूडाय स्वाहा॥ ... सनमरुहाय॥ ध्यन॥ ब्राद ... मात्र दन्तो ... [illegible]
ॐ ज्रौं ... यरु ... ने नदाय॥ ... ॐ ज्रौं हृदयाय नमः ... [illegible]
या॥ ॐ ज्रौं हृदयाय नमो॥ कुम्भ छाय काव ... ॐ ज्रौं ... क्राय ... [illegible]
... विश्वदवसनाकुशीनो॥ ॥विश्व ... ॥ ॥ ... [illegible]
... मन्त्र॥ ॐ ज्रौं ... ॐ ज्रौं ... स्वाहा॥ दक्षिण ... वाम ... [illegible]
त्वा॥ मन्त्र॥ ॐ ज्रौं स्व माय स्वाहा॥ वाम ... ॥ ... त्वा॥ [illegible]

मार्यां स्वाहा॥ त्रिशिख ... ॥ ॐ ज्रौं ... स्वाहा॥ ... [illegible]
मन्त्रनङ्गा॥ ॐ ज्रौं ... स्वाहा॥ ॐ ज्रौं ... माय स्वाहा॥ ॐ ज्रौं ... स्वाहा॥ ॐ ज्रौं ... [illegible]
... नय स्वाहा॥ ... ॥ ... ॥ ॐ ज्रौं ... ॥ ॐ ज्रौं ... [illegible]
... नी॥ ... ॥ ॐ ज्रौं हृदयाय नमो॥ ... विन्दुत्वा॥ [illegible] ... मानस्य
... ॥ ॥ ... ॥ ... नायि त्वा ... ॥ ... [illegible]
... ॥ वज्रादिघात ... नी॥ ॐ ज्रौं ... नाय स्वाहा॥ ... ॥ ॐ ज्रौं ... वामदेवाय स्वाहा॥ ... ॥
ॐ ज्रौं ... नाय ... ॥ ॐ ज्रौं ... स्वाहा॥ ... ॥ ॐ ज्रौं ... नाय स्वाहा॥ ...
... वज्रादिघात॥ ... ॥ ॥ ॐ ज्रौं ...

धाजानाय नमदयाय स्वाहा॥ यविनत॥ यविनत्री॥ ॐ ज्रीं ह्रुँ वामदेवाय अघोराय स्वाहा॥ यविनत यविन
त्री॥ ह्रूं ह्रूँ क्रौं सूर्यानाय नत्रून्नू भायं ङ्गानाय स्वाहा॥ विविनन सागद्ध॥ ॐ ह्रौं ह्रं क्रौं क्रीं रूं गां नाथ स्व
वसूर्यान वामदेव सद्योजानाय स्वाहा॥ यांकुलिन यंकुलिमध्ये॥ ॐ क्रौं क्रीं ह्रूं ह्रौं क्रौं रयां नमस्ते
नमसूनू वह्नं गानाय स्वाहा॥ ह्रां कुलिन वांकुलिसमध्ये॥ पश्चिमवक्त्रं संज्ञानाद दक्षिणवक्त्रं॥ या॥ पुजनं॥ ॐ
क्रौं ह्रं नेत्रानाय दक्षिणवक्त्राय नमः॥ पश्चिमस्याद्रुमि॥ पदक्षिणवक्त्रं सद्यवमालसग्रानाम नयायद्रु
याय॥ नमाजिह्वासंभनी॥ क्रूं ह्रीं सं व्याय स्वाहा॥ ङ्गान॥ लूँ कनकाय स्वाहा॥ पूर्वा॥ प्रूं नक्राय स्वाहा॥ अग्नि
ह्रूं कृष्णाय स्वाहा॥ नैऋत्या॥ क्रूं नुप्रराय स्वाहा॥ पश्चिमा॥ सूं अग्निनकाय स्वाहा॥ वायु॥ वंह्रूं वह्ने
पश्च॥ जीह्वादिपनी॥ पूनभना॥ ह्रूं लूँ दिलि क्षांकनकाय स्वाहा॥ ङ्गान पूर्व॥ लूँ कनका
हा॥ पूर्वनअग्निना॥ क्रूं ध्रूं नकाय कृष्णाय स्वाहा॥ आग्नयने, नेऋत्या॥ ॐ ध्रूं कृष्णाय धुम्रराय स्वाहा॥ नै
पश्चिमा॥ सूं वूं गुप्तरा अग्निनकाय स्वाहा॥ पाश्चिमः वायव्या॥ सूं ह्रूं अग्निनका वह्नरूपाय स्वाहा॥ वायव्य
साधनधन भनया॥ ह्रूं वह्निरूपाय स्वाहा॥ ङ्गिजिह्वासंभनी॥ ॥ॐ क्रौं कं ह्रूं मानय ऊर्ध्वनक्राय नमः॥ पदम्
ॐ क्रौं ह्रूं स्नुयह स्वाहा॥ मिलाह्रमिंनयस॥ ॐ क्रौं ह्रेनृवाधि ह्रौं हृमा स्वाय नमः॥ ॐ क्रौं क्रीं ह्रूं प्रीत्य स्वाहा
नवाग्निनामकनकाय स्वाहा॥ ङ्गिनामकनना॥ ॥ ॐ क्रौं वागीश्वराये नमः॥ पूजन॥ ॐ क्रौं वागीश्वर स्वाहा॥
ॐ क्रौं वागीश्वराय स्वाहा॥ मिलाह्न विसर्जनक॥ ॐ क्रौं वागीश्वर वागीश्वराय स्वाहा॥ मिलाह्नमि॥ ॐ क्रौं ह्रूं
याय नमः॥ वागीश्वरी वागीश्वरी विसर्जना॥ ... सपर्य ... पुत्र॥ ... नाम पर्य॥ ...
नी॥ रवोउत्तसपि भक्तामा॥ ॐ क्रौं वंमधि हेनवगुरु पावनी पश्चिम स्वयं मुद्गनमाले हीयकलं

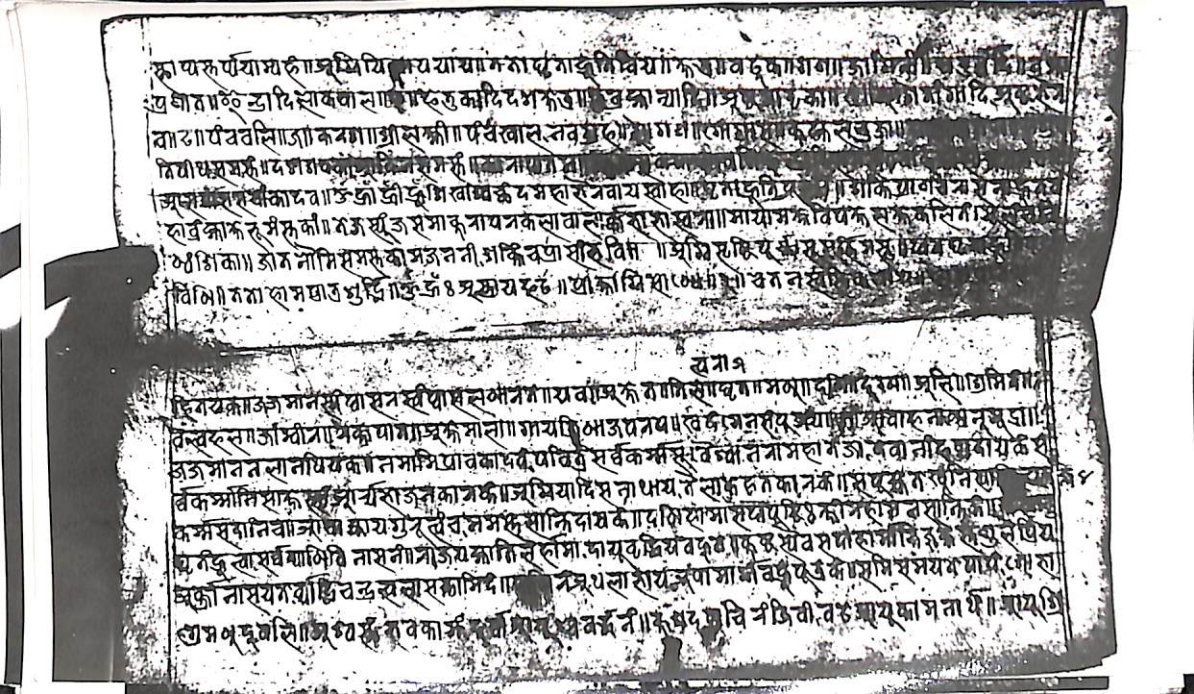

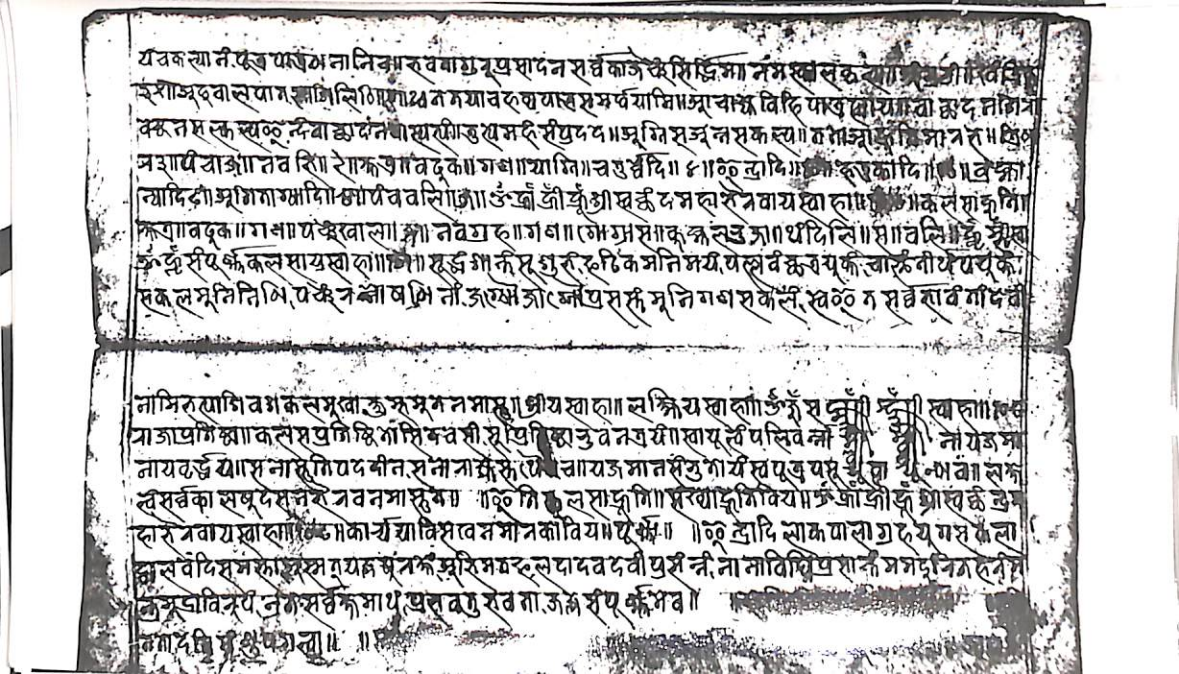

कासापच कुसकामदवष्ठियि [illegible] चोत्रावार्था [illegible] ओपावगन्यावा। [illegible] यांया यवअवसन्ड्रुनमि [illegible]
के हूं ग्गंगुं यो गई [illegible] कुलम ज्ञ स्व मय स्वाहा। [illegible] ॥ गंश्न नन्दे नेदक्षि नाउव [illegible] ना [illegible] पविया [illegible]
[illegible] पूजिन सर्व कार्य [illegible] मयक्रुन्द भुवन [illegible] कला। मूअग्नि नगणेश नापि रमवान्तू वि [illegible] दि [illegible] सिका सस
[illegible] मयय भाय्वा [illegible] ग ना भनी सद्यापासुवा। ॥ मिन्तुयि॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रीं कुलपुंत्र वेद्कना थयस्वाहा॥ [illegible] गो नाव
न्द नवानूवदुका नकोङ्क [illegible] हुषिनाविन्यूकापसदरकान्नि सकर [illegible] नीलक [illegible] सता। [illegible] प्राय्नभान कुं [illegible] यन्
॥ओकुडावलि नाडि नी। [illegible] यान्क्रिवदूकादेमप्रमिकिनेयूष्मी रादवस्वसी॥ ॥मिन्तुयि॥ क्रों क्रों [illegible] पानाय [illegible]
[illegible] तायपनमापिनी सवद नेरवञ्नु नद्र सुअमनी आजि [illegible] गउ यर्भसंव नमन रव [illegible] गवानिद्र ना [illegible] नम
निदवसीषनमूर्वंश्रीकृत पा सावलि॥ पाया [illegible] रवभा दि [illegible] मसी [illegible] लोकं सी भा प्रहा॥ ॥मिन्तुयि॥ ॐ [illegible]
पवनी

व्रकानी स्वाहा॥ [illegible] सोम्या पिनि नवदनीं कमलारनजा भान्कसूक्रविण्गामि [illegible] मया नी। पीमाम्व याव नस
[illegible] वदनाम नमो नभारतु सुनगीवहुना न माँ [illegible]॥ ॥मिन्तुयि॥ [illegible] ॐ ह्रीं [illegible] स्वाहा॥ [illegible] गो
[illegible] पसदूकाकि [illegible] सा जोनायसवानी भी॥ कृतह्म ननीनासुनी रगवमि [illegible] मासे [illegible] नाम [illegible] पयप
[illegible] नीग्नि नयनात्रे साक्षे सपूजि ना॥ [illegible] जीनु उग्गा कृतुष [illegible] वनसदा॥ ॥मिन्तुयिरव [illegible]
ॐ ह्रीं वेंकाभानी स्वाहा॥ [illegible] नापूवदि वकथा पनसपाखि नद्र नव [illegible] ला॥ गकि माय [illegible] नी मयनमा
[illegible] पा नग्रा [illegible] नानाण रकस्वीसी नीशुरकमी सक्राव सीपूजि [illegible] माना [illegible] नाम्रि नीनाप रवीदवी [illegible]
[illegible] ॥ ॥मिन्तुयि [illegible] गहसि॥ ॐ ह्रीं वैष्णवी स्वाहा॥ [illegible] नेजउप [illegible] वाशि नीस [illegible] लाकास [illegible] दयी
श्री मनी [illegible] वचन्तु भनसी [illegible] भा दकि [illegible] दिव [illegible] नन माँ [illegible]

तुनङ्जनभनर्ग्राचाष्ट [illegible]स्तना॥ ॥भिन्दियिद्दवनशि॥ॐ क्रीं गं वा ना ह्रीं स्वाहा॥ [illegible]॥क्रोजस्यानलव [illegible]
रननूमी ताह्मनाया व नेताल लायार्द्र भदद्दष्ठि नकद्यक्रौ नायूआ संस्तना॥ ह्रोडालीकनमूसुमा मजनरनौ दाय॥
कासङ्गला॥वानूज्यादिगमसिनी स थ कती नक्रौ कयासुज ना॥ ॥भिनूथिसतिकं ० शि॥ॐ क्रां पं ब्रन्द्राय नमी
हा॥ [illegible]॥भानीरगस्वनपष्ठया नगेभ नीदम्रा म्हानिश म्राम्ह मा॥ वेचिंथो कुलकुआतिनसृदा वपा पभौ व [illegible]
नन्दानीसूनपूजिनी सूतय नी वायू वका पभि ना॥ पायो त्सा रुवभा भहाकलूष हद्दमासूनो घोम नी॥ ॥
भायपिवडेशि॥ॐ क्रौं येया मृत्युयस्वाहा॥ [illegible]॥द्मोद्मे नी वामिनीकसगनूवेनालसे साहि या॥ वासूसु
क्षमरी पूनी प्रेकटि री द षाङ्क साआ चेनी॥ रक्षस्र ढकमाननाभलभनू श्रीविन्दभूडाभ यो॥ केवना नवा
वाद्यनगविजुस्यालीनै पाजुर्व॥ ॥शि नूयिकूश॥ॐ क्रौं सं भहालक्ष्मी स्वाहा॥ [illegible]॥ दवी कानभना ह

याध्ववदनेर्नसानदिनभशिनी॥ पञ्च स्यार्द्ध भदद्गभि नीशदा दुर्गेन्द्रवखेश सा॥ विन्दकाटिसभा नकुसुस
अनी हाला म्बसिसुषिनी॥ सङ्गा पूष्पभहा नहालयवनि पायारुवकं मृदा॥ ॥ॐ क्रों जो जागिनी स्वाहा
जाय॥ सिंदूनपङ्कसद्दशा ननभूनत्रा नकाम्बनावनगसुरां ननभूगुभाला॥ काचाङ्कनारुवङ्गानिषधि
न्दुहस्ता भसोनेयाष्टु शमनकू सेजा गभाया॥ ॥स्कखन्यानि आङ्गतिविय॥ मन्त्र॥ॐ क्रौं क्रीं हुं
श्रूं न्दभहारनवाय [illegible] हा॥ भिनूथवडशि॥ [illegible]॥ब्राह्मी ब्रह्मकपालगाकु सधसकेप्यभूलानवेपूः
सर्वोगकुण्ठानहा गेपवलाभा साष्ठि मां साक्षनो॥ विग्रहद्विजवनसुता दयन भासूयापिना सुरये पाया द्व
प्रुनयावहानसभयकायमलिक ४ किंवा॥ ॥पनदवीर्भूलमन्त्रन्ना क्रानिविय [illegible]॥ नडुन नाय
नाजाप्रविष्ठा॥ ॐ ज [illegible] कालरूढ क्रीं स्वाहा॥ १०८॥ पनि शि माहि द वेश [illegible]

पनागम [illegible] नी ऊ जमा नायव मदी॥ र्स ना [illegible] व प त्य द सुन ना त ऊनु रे न वी॥ ऊ ज मा त स तु मा य रू प ग्र व स्
नू रा ह व ा म क्र [illegible] सुर्व का न थू दस नरे न मां सुन॥ ॥ दे व या ठ न्तु नि न ता या॥ पे च छु ग्र का व्या य॥ ॥
विपक्षा या न व नं [illegible] हु न प न दि रू य पे च ओ नाया म ॥ ॥ [illegible]
ना सा ग री गि व ना क द छा व थ सर रू श रू या ऊ व स्व व म दा च का व ग न था ला प्र स्व न या म ॥ श्री आ ज व सम्
वास्व व स. क्का व न दा न स न्र्गे मे ऊ ॥ क्रू गु स मी पे ग त्वा॥ श्रि न मी स भ व॥ म क्रु॥ ॐ ह्रौं ॥ मू स्व य र्ड ऊ घ पा
स्व न त्या॥ मं गा सी ष त त्या॥ सा ना स ल न वा स॥ [illegible] न वा सा॥ श्रि न स छ य य प च
सि दू वि ऊ ऊ म का पे च न त्व प न दि क्कि न सू च न॥ छा द् स्वा न मा सा॥ क्ष द् वा न न बा स स पूय क छा द् स्वा न मा
छ या॥ थ न शि न छ य प भू न छा व॥ पू ऊ न या य श्रि न स॥ स्व ता क न॥ ७॥ सू द क्लि णा॥ कू ज या ऊ व स्

पं व ओ ना वा य॥ ०॥ पू ऊ न या य म वं थू मे ल स थं ना घा त्व॥ या दू॥ चा क्षा॥ व न्रू॥ आ यु॥ वि न॥ श्रि म ना॥ ऊ
ज म का॥ स्वा न म प ऊ न॥ पू र्व॥ श्री म भ न ओ ना या पा द् की॥ द क्षि ण॥ श्री न क ष ना यी पा द् की॥ प श्चि मा॥ द ड स
श्री खि न क्ष या पा दू की॥ उ रू न॥ [illegible] ना सा क स॥ श्री ग ओ द क ओ ना [illegible] यी पा द् की॥ म ओ स॥ ऊ त्ति॥ श्री वी म
भू ओ ना यी पा द् की॥ छा न पे च ओ ना पू ज॥ मा शा यू क्र नि या नी॥ सा क्षु न १० दा स ला मू त थं॥ वा म न न ने सू सा
त्रि व स॥ नि नी क्ष ना दि न ह स स्का ल॥ त्रि नी स पू ज्ञा या थ॥ ॥ क्ष द या दि स्व ड ग्रो न सा ड॥ ऊ प म पे न वा स न ओ
न न॥ ओ वा द् ना दि म न्र स डो॥ य ऊ मा न न क्षा प य क॥ स द् श न क्र नी या न्ति छ म प्य पि ति श क्रु न॥ त्रि का स मा
स म क तु स द् सं ज्ञ न त त्व या॥ त्रि ओ भ मा न्स हा म न ओ ग्रा [illegible] भि स ग्र मा प्य व क्ति ना न्र ता म न सा लि न तु त
सा वि नी॥ पी य न तु शि स्वा द व स्व क्ष ड ग्रा ने नू प क्षं क्रू॥ छा [illegible] सी स क्र स घ न पि श्रि म ऊ व प न ने॥ श्री ना

खवखव सानि दक्षिण पश्चिम प्रदायिका॥ आवाद्ध दक्षिणा॥ उज्ज मानन आवाह्य स्थाय॥ वाङ्क आवार्यायम
लसीख गतिनमीम पाउँड पदाव याम्नि॥ पंच अनाद्धाय॥ ओं त्रं॥ मध्य नेत्रावि अनायां क्षिप्र नाईद्र लण
दा॥ नैरृत्य अनातुङाम्याय यामिनामरूल पदा॥ कौनध्य पश्चिम अनायां आयुदक्षिद्र सप्रदा॥ उर्द्ध नेत्र
गम अनायायी स आयुवक्षिद्र सप्रदा॥ म छे वीच अनायां [illegible] अमर थी म अनकी॥ पंचक अनागमानि आनिय [illegible]
कल्याणसिद्धानि॥ शिवजय नये मन्त्र॥ गुरुधा ना वज॥ वन्नि [illegible]॥३॥ रूका सासकाल॥ ध्या यथ गुह्मे उपार्य
यायूसमन्त्र न अनरन॥ ॐ क्रों क्रीं कूं श्रीं शिखास्व च्छ घुमेण रुद्राय स्वाहा॥ ३॥ ॐ ऐं क्रीं क्रीं कूं क्रंड
क्रों षडकं कं कं मय [illegible] काटि मंत्रा मनुते लाख्य मनूज कु साच स्वाहा॥ २॥ ज व लाहा पज व ग ज व सास द्रोया॥
खव साख पखव ७ खव सासधाय॥ शीचा खवस॥ शीचा ज वस॥ शिनजाय द्धाथन क्रमसाचके॥ [illegible]

मनू ग लचासाय मूल मन्त्र गक्षाया॥ मीमाङ्कनि विशर्ण॥ शिवत्र॥ त्रक्षान्यादि ८॥ यामिन१॥ गमखन॥ ८
श कौल क्रौ ८ अनाख स्वदेवी कौ क्र ८ १०॥ श्रुत्त्वादि॥१०॥ द्रसुकादि १०॥ अणिमा गादिद॥ नवग्रह॥ २॥ स्नान
क्रमादि नथिथियानि १०॥ नकिनी श्री क्षेत्र न वत्र श्री॥ दधिनी माअश्री॥ ॐ श्रीं स्वाहा॥ १॥ ॐ क्रां गुरुव स्वा
हा॥ ॐ ऐं स्वाहा॥ ॐ क्रां गुरु नि आनित्र क्रूं स्वाहा॥ १॥ ॐ क्रां क्रीं [illegible] पश्चिमनरसुस्वाहा॥ १॥ ॐ क्रीं ज्ञा या
हा॥ ॐ क्रों दक्षिणामूर्ति नाथ स्वाहा॥ ॥ ॐ क्रीं कालाषाढ्नाय स्वाहा॥ २॥ ॐ क्रीं सि
द्ध मन्त्र सिद्धि नक्र स्वाहा॥ ॥ ॐ क्रों दक्षिणामूर्ति नाथ स्वाहा॥ १॥ ॐ क्रीं कालाषाढ्नाय स्वाहा॥ २॥ ॐ क्रीं वि
दा नाज नाथ स्वाहा॥ ॐ क्रां क्रीं क्रूं [illegible] शिखास्वच्छ घुमहारो नवाय स्वाहा॥ [illegible] राथन कौ क्रौ ८ अनन्त क्रिया
आनत्सूसिसाथ चेम नाथ कां॥ वाकी॥ दिव्यानि वचन वगणपदेकास हयाशि [illegible] उथाशे श्री लाम वि
वाममगधगन यूं न मनुसंवे चक्रं आर्याक वन्ध [illegible] लिवि [illegible]॥

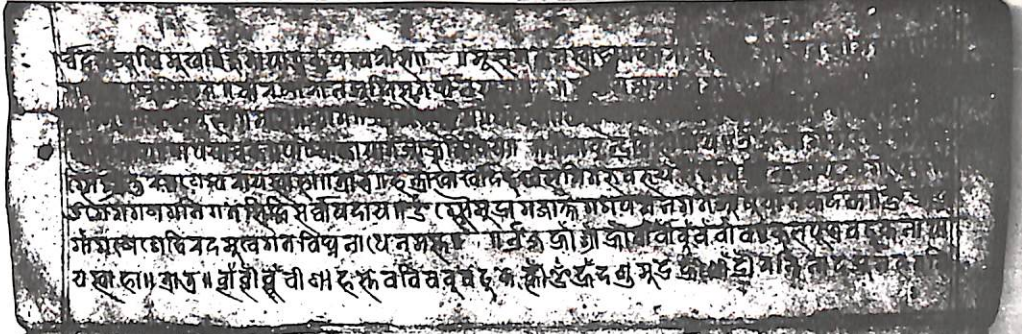

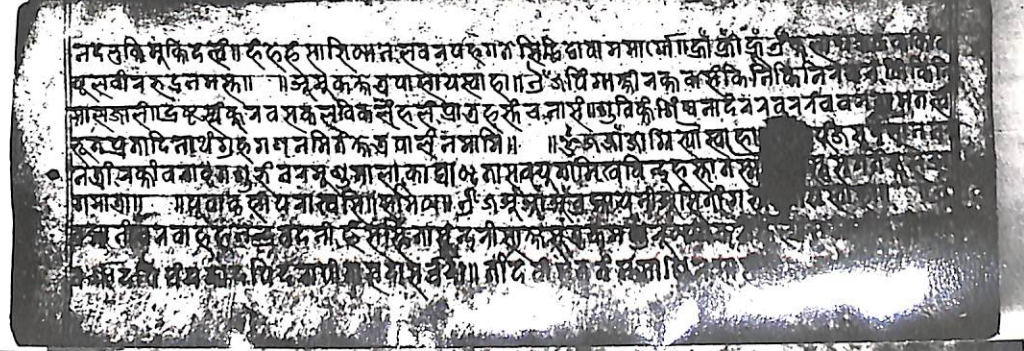

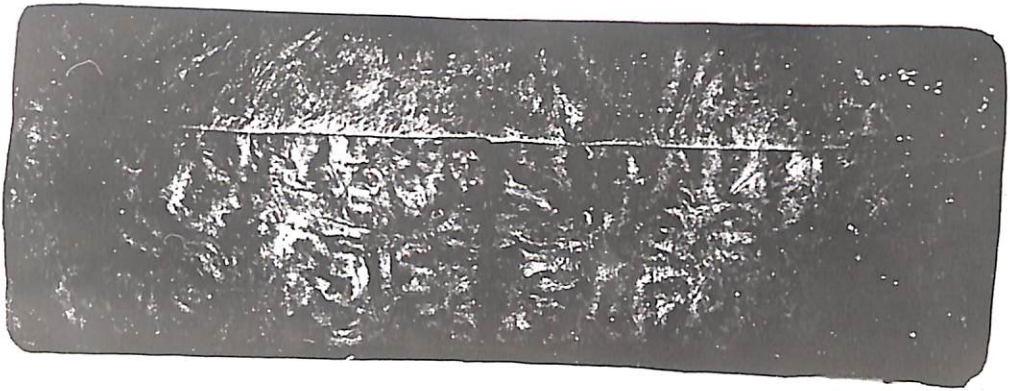

[illegible] फ [illegible] ॥ ॐ ह्रूं ह्रौं कै मा [illegible] नृ ह्रै नवाय स्वाहा ॥ [illegible] यो नृ सिं [illegible]
[illegible] जमा यो [illegible] सा हू खजा [illegible] का वी [illegible] न कि फ नो दि व स्या [illegible] गड़ जम णी ॥ [illegible] का
[illegible] पू य पि ग [illegible] वी य र्न मो ली ली ॥ नी द वी स न नं [illegible] सा [illegible] यो कोनि से [illegible] प हा ॥ ॥ ल पूद
[illegible] ख य व र सो [illegible] ॥ ॐ ऊँ ऊँ ऊँ चं का मा नी च गु [illegible] नाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ का मा नी [illegible]
व कू स स्या [illegible] मा [illegible] द नी ॥ मा द वी गु ल सा [illegible] स पूर्ति [illegible] दा ॥ मा र्न सा [illegible]
[illegible] गु ग नि [illegible] सा [illegible] सिद्धि क नी नी द वी स न नं [illegible] सा दा [illegible] प्र हा ॥ ॥ पू ग पू दि वा
[illegible] ॥ [illegible] वेष्ट वी क्रा मा [illegible] नवाय स्वाहा ॥ [illegible] ॥ ॥ ॐ ख व [illegible] म [illegible] न न [illegible]
गि ज दे [illegible] ॥ [illegible] ज ग न [illegible] ति क ने [illegible] स [illegible] कु या ॥ [illegible] न व [illegible] ति स्या वि [illegible]

[illegible] वी दं वी स न नं न मा मि सि न सा वि [illegible] न ना [illegible] पि नी ॥ ॥ मा [illegible] दी [illegible] व [illegible] मि बा ॥ [illegible] नं [illegible]
ना हि [illegible] नवाय स्वाहा ॥ [illegible] ॥ ॥ ॐ वा ना ही व [illegible] स या ग न [illegible] थ न [illegible] मा गु [illegible]
[illegible] वि यो [illegible] न [illegible] न वा प द नी ॥ [illegible] म [illegible] द [illegible] न स्य [illegible] द [illegible] पी गा नु [illegible] नी द वी स्य [illegible]
न मा मि सि न सा वा [illegible] सिद्धि क नी ॥ ॥ कु [illegible] गु [illegible] ॥ स भी ही [illegible] मि बा ॥ ॥ [illegible] न [illegible] स य
नी क पा नी [illegible] नवाय स्वाहा ॥ ॥ [illegible] ॥ ॐ ॐ [illegible] नी [illegible] नि ना [illegible] ना प्र व लि मा [illegible] प्र मा [illegible]
व [illegible] न ख ला [illegible] न [illegible] य सा मा लि नी ॥ [illegible] थ वि [illegible] नी क नें [illegible] दी पी ना स घ दा [illegible]
वी [illegible] न [illegible] मा मि सि न [illegible] सी का [illegible] स मा ये हा ॥ ॥ [illegible] न व [illegible] बा ॥
ख न [illegible] वाय स्वा [illegible] ॥ ॐ चा [illegible] न [illegible] ल नी [illegible]

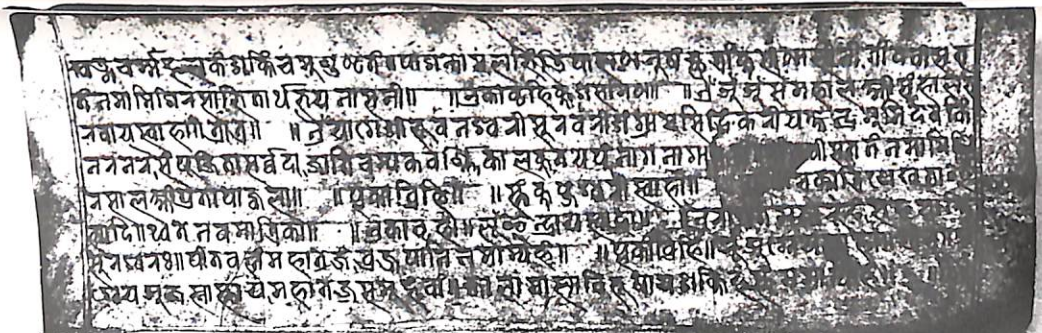

काय स्वाहा ॥ [illegible] ॥ वि[illegible]मुनि कार्सी कुमारु [illegible] प्रयुज्य ॥ ॥ पूर्वादि ॥
[illegible] स्वाहा ॥ [illegible] नयानं चतुर्बाहुं [illegible] नं चतुरानन ॥ [illegible] नवविशामि दिगम्बर [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible] भैरवाय स्वाहा ॥ [illegible] विनं कलकिले [illegible] वसु [illegible] न [illegible]
[illegible] सूर्व [illegible] ॥ नाना [illegible]
[illegible] नमामि ॥ ॥ ॐ [illegible] भैरवाय स्वाहा ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ चन्द्रार्द्ध [illegible] मासे [illegible]
[illegible] भैरव [illegible] नमामि ॥ स्वाहा ॥ २ ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible] भैरवाय स्वाहा ॥ ॥ नील [illegible] भैरव [illegible] नमाम [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] नादं किलिकिलि [illegible] लोक [illegible] नमाम [illegible]
[illegible] भैरव [illegible] नमामि ॥ स्वाहा ॥ ३ ॥ ॥ ॐ [illegible] भैरवाय स्वाहा ॥ सिद्धि [illegible]
[illegible] सिद्धि ॥ [illegible]
[illegible] भैरव [illegible] नमामि ॥ स्वाहा ॥ ४ ॥ ॥
[illegible] भैरवाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ह्रां ह्रीं ह्रूं [illegible]
[illegible] भैरव [illegible] नमामि ॥ ॥ ॐ कपाली भैरवाय स्वाहा ॥ ॥ [illegible] नादं किलिकिलि [illegible]
[illegible] नाथ ह्रां ह्रीं ह्रूं [illegible] ॥ प्रणमामि [illegible]

[illegible] ॥ॐ
दशपक्षिनूग हेनवीघा सङ्कक्ष ह्रांह्रीं सधाप ह्रौं सवस्यरूनै धीरोनव कीनमामि॥स्वाहा॥ [illegible]
नेदपाद हेनव [illegible] हा॥ ॥ [illegible] सप्तभू [illegible] दिनि [illegible] नदवदेखड्ग [illegible] नमस्वाहा [illegible]
तिमिपनिन गमिमसव [illegible] थ्यामभूखागि वायरा [illegible] ग [illegible] नव [illegible] सम्भूस्वरूप
वरायद्रव र्ह्रं हेनव कीनमामि॥स्वाहा॥ ८॥ ॥ॐ श्रीमत्रूपर [illegible] य स्वाहा॥ ॥ [illegible]
गणमयि श्रामस्वाधि [illegible] थी॥ ह्रांकाशवायुभमि जलगपिमत्रागि पीथ्यापन्यरूप [illegible] सकनागिवमय [illegible] ना गण
मानि॥ सर्वाङ्गनानरूपं विविधविषद लीन हेनव कीनमामि॥स्वाहा॥ ९॥ ॥ॐ उमिनरूनवाय स्वाहा॥ ॥क
[illegible] पिथ्यपपी ८० त्रिरूवननिलयदिव्य वन्द्राङ्गचन्द्र वामूषा वीररुद्र गणगुरूसहिंग रूवनालनीथ॥ वि
की सर्ववी यत्रिकुव नेनमिन रूव पालीरू केष्व रा आयुरू नमकी रव रायरुद्र वर्ण हेनव कीनमामि॥

हा॥ २॥ ॐ कूर्मपक्ष हेनवाय स्वाहा॥ ॥आयुश्री वर्द्धिसिद्धि वियूसगणमय [illegible] कल्पी नमद्रि सकल्प
सर्वगास्त्रागमनिपूनमन वादन [illegible] ष्ठि पृष्ठि॥ मो रागर्वाक्ष सिद्ध ४ विषमविष दर्पभ्रान्ति [illegible] माद गर्भ
नसमग्र किमविविध कव हेनव कीनमामि॥स्वाहा॥ १०॥ पूर्वाविदिक्ष्य न्यसमसि क्षा॥ ॥ [illegible] नवा
य स्वाहा॥ ॥सर्वक्रव्याद्धि नोथ वदूक मपिकलेनिस्कल नि स्कलीक लीलीलैकालवीड कमि [illegible] नी न [illegible]
नूयस्वनूप विश्विष्कृत्तानूहार्ष रूतिगण नमिन नागयज्ञीप विगनवन्द हेनवाक प्रणमत मत्त गनि [illegible]
नमामि स्वाहा॥ ॥मायविदिक् रूर्क सिसमिभ॥ ॥ॐ नूनू हेनवाय स्वाहा॥ ॥पिंगम क [illegible] किलिकि
निनेयवकि कि निजालमाली द्रक्षु कुमीदरा [illegible] लिनि विषदे नृत्यात्मकलं क्रूरकं॥ [illegible] नादयनव
नंवनवमस्वनेश्राम नहीं नवन्द हेनवा [illegible] स्वाहा॥ ॥नय वि [illegible]

।त सिद्धिर्भवति॥ ॐ वं धु ये नमः स्वाहा॥ ॥कर्णिकायां वायव्ये कमलं पत्र निरमयक भस वाचनं॥ सर्व
लक्षणं युक्त विक्रम हर्ष वगल्ग नवा न्या॥ दक्षिण गन्धर्व स्वरूप गवद्युक्त संयुक्त सर्वसिद्धि करें सर्वमाये
पूर्वजन्म सहस्राणि येन कृत पापं स्वाहा॥ ॥भृङ्गविद्धि वर्ण गत सिद्धिर्भवति॥ ॥ॐ क्रोंड ये नमः स्वाहा॥ ॥
धामाकाश तत्र रुवद्दु नवरूपं भवद्वत्सुदिधि भूर्भुव सिद्धा कर्णी भेदन डाक नवगमनुसालाविक॥ का
क्रौं क्रूं खड्ग हस्त कपिल सहय तिपूर्णा भक्षय थत्क डस १ तबन्द येन वाक् पूर्वजन्म सहस्राणि येन कृत पापं॥ स्वर्ग
आयुर्वृद्धि दृवनसिद्धिर्भवति॥ ॥ॐ डस्क ये नमः स्वाहा॥ ॥नाग क्षिजानुसक ति नसिद्ध सिक स्वनागलो
अपूर्वक ४॥ रवर्ण रूप हस्त भगकलपस नागयथा पवीत. वर्वर्ण कानपूर्वसक विसद्दुर्सी वारूपथा
अशूक ८॥ रवर्गीक भक्त हस्त कलपसनागयना पीत. वंवर्ण काव रूपसक वविमहसीवारूप
सन वो॥ नन्द येन वाक् पूर्वजन्म सहस्राणि येन कृत पापं॥ स्वाहा॥ ॥कडगुलि वृद्धि सिद्धिर्भ

आ॥ ॥ॐ कपाली ये नमः स्वाहा॥ निर्वदं निर्विकल्पं निर्मल सयगुणसिद्धिया। गकसासी सुनाथ सान्ध
सिद्धि सहज सगुणगूढ याग ड सरु॥ यं यं यं वायु नय ड क सूक्ष्म भवे कका पालहस्ते. नन्द येन व
सिद्धि सहज सगुण गूढ यागेनु सर्व॥ ... ॥स्वामवृद्धि वकु सिद्धिर्भव॥ ॥ॐ शीष नये नमः स्वाहा॥ सिद्धि
सर्व जन्म सहस्राणि येन कृत पापं स्वाहा॥ ॥स्वामवृद्धिव कुसिद्धिर्भव॥ ॥ॐ शीषन ये नमः स्वाहा॥ सिद्धि
आदनाय सुर मिति भवि मान पूर्वमान नाथ. धामाकाश सिद्धि भेत्रस व दुतिन्य ति. भव व सुदिद्धि॥ सौं सौं सं मका
सूद्धि सब ह्रय सम निह्रिद्ध ३ स्त्रार्भका भ. नवनन्द ये नवाक् पूर्वजन्म सहस्राणि येन कृत पापं॥ स्वाहा॥ ॥त्रैका
लोक्य सिद्धि॥ ॥ॐ सं हाल ये नमः स्वाहा॥ ॥ॐ कं कार्य कार्य ह ह दग्धि तमस्व गंधमा नं सर्वमा
ग्रहं हं सक्षय नसहरूली. पावन गागना सीप एस धावक नाये सुवनन सकवें शुनस्रहानरूपी. नवनन्द येन पूर्व
गमन सहस्राणि येन कृत पापं स्वाहा॥ ॥स्वानवा वृद्धि सुकुसिद्धिर्भव॥ ॥ॐ क्रौं क्रौं क्रौं स्तं आदि पद्म

हाय नकवर्ष्क महा गडै नकाय मी सूक्ष्म [illegible] ॥ [illegible]

हास्मिसमिधा॥ [illegible] ओं प्रां सः भास्कराय स्वाहा ॥ ऋ मा हुतु [illegible] कनाय न हुता [illegible]

वं नमामि [illegible] विदिस्वयनेषिसमिधा ॥ ॐ क्रौं क्रीं क्रों सः भृंगनाथाय स्वाहा ॥ [illegible]

दवी [illegible] नाग भा हा गडी त्रुगुने प्रथ मा ग्यहं ॥ ॥ नुको विदिस्य [illegible] समिधा ॥ ॥ ॐ

[illegible] ॥ ॥ पद्मासन [illegible] गदेवं श्याम पूत सू श्याम ना ॥ [illegible] नाय [illegible] देवशं वू [illegible] यन [illegible]

[illegible] समिधा ॥ ॐ क्रौं क्रीं क्रों सः [illegible] स्वाहा ॥ ॥ वाचस्पति म हा दीफ पी [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] व नमो नाथि [illegible] नम ॥ ॥ कत गुलि विदि [illegible] समिधा ॥ ॥ ॐ ड्रां ड्रीं द्रों सः [illegible] स्वा

[illegible] न नूपम हाक विं ॥ शुक्रादि देव मा [illegible] नमामि हगुन गुनं ॥ ॥ मा हविदि [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ग नेत्र नाय स्वाहा ॥ ॥ दिवाकन मूग [illegible] तृष्ठ याहृदय न [illegible] ॥ नी सांड्न चया

[illegible] ने म्वा ॥ ॥ स्वान [illegible] विदि द्वो समिधा ॥ ॐ ग्रौं ग्रीं ग्रौं सः नाद्रव स्वाहा ॥ ॥ कां लाभिय महा

[illegible] कान नूसेरु वा ॥ ऋद्धाकरू वक्ष [illegible] नमामि नाकदेवता ॥ ॥ कालामे विदिक्रगासमिधा ॥ ॥ ॐ ड्रौं

[illegible] स्वाहा ॥ ॥ [illegible] काय [illegible] विचित्रक ॥ आगि नी आत्र [illegible] नमामि कद्रदेवता ॥

[illegible] कविदिवट सिसमिधा ॥ ॐ आं ओं आं सः उ [illegible] न स्वाहा ॥ ॥ गुरा [illegible] का से सेवदिव न [illegible]

[illegible] कालपूज [illegible] माग्यह ॥ ॥ इति नवग्रहा ॥ ॥ पूर्वाविदि ॥ ॥ ॐ [illegible] य स्वाहा ॥ ॥ [illegible]

[illegible] नाचा [illegible] गुना [illegible] ॥ [illegible] स्व [illegible] मायव नम ॥ ॥ नुको विदि ॥ ॥ ॐ [illegible] वन

[illegible] स्वाहा ॥ [illegible] प्राक्ष [illegible] दान न न ग र हसी ॥ [illegible] विदि [illegible] नमामि वदि [illegible] ॥ [illegible]

ॐ [illegible] नाय स्वाहा ॥ पूर्वे साकृ सुह्मा नवीत्र कायका[illegible]मि क्षिनी ॥ प्रवकामि उसारुथ न मरू सुव्यासप्त्वगा ॥ ॥ कड यरि
द्विदि ॥ ॥ ॐ हनुमानाय स्वाहा ॥ ॥ [illegible]कव क्ष मदावीत वायु पुत्र मि लाचनी ॥ कि णमूल रुलपी त्रि रु नु म [illegible]
मम ॥ ॥ स्थान विद्धि ॥ ॥ ॐ विरि व नाय स्वाहा ॥ ॥ पो सुक्ष जो मि न मास्तु य सर्कया म नवलु मा ॥ मा [illegible] गी वि य
निदवं मम हुस्व विसीष न ॥ ॥ मास विद्धि ॥ ॥ ॐ कृपाय स्वाहा ॥ ॥ नाऊ मिषि न मस्तु यं सा न दाड [illegible] ना इ वा
कूपध्व त्रि मा नि यंतु थ बि ना रुव नि षिक्कम ॥ ॥ मृग विद्धि ॥ ॥ ॐ पनगुनामाय स्वाहा ॥ ॥ का[illegible]का वी स
मस्ति मि पन सुक्ष महाव स ॥ निक्षिमि न्क विस काय न सूना माय वनम ॥ ॥ यंष्ठा विद्धि ॥ ॥ ॐ माके [illegible] य स्वा
हा ॥ वट विक्ष ये मा नूढे च्छ भ कं तु वामस ॥ नाऊ षि न मेस्तु यं मा कु त्रु य व त भ ॥ ॥ पात्त दव क्षी ॥ स्थ विद्धि ॥
द ष्ट्र पाटन ॥ कासायाटन ॥ वहि का नो से न ॥ ॥ ॐ रुव स्वाहा ॥ ॐ ह्रौं [illegible] व स्वाहा ॥ ॐ ह्रौं [illegible] स्वाहा ॥ ॐ

रुरु वस्व साक्षि न स्तु स्वाहा ॥ वरुवा नऊ प मा ला का या ॥ या ह मि त्र ष्ठ रू यं ॥ सा क्षि क ॥ ऊ ऊ मा नु भु नि [illegible] ॥ स
क्षि क न पु मि क्षि मा क्षि द व स्व ०ः याधि ॥ ॥ ॐ ह्रौं ह्रौं ह्रूँ पुष्टि य स्तु स्वाहा ॥ पु ष्टि कध्व म ॥ ॥ ॐ ह्रौं ह्रा [illegible]
स्वाहा ॥ ॐ ह्रौं सा मा य स्वाहा ॥ ॐ ह्रौं अ ग्नि शा मा स्यां स्वा हा ॥ ॐ ह्रौं अ ग्नि सि ष्टि क नय स्वाहा ॥ ॥ [illegible]
मा क्रू नि ॥ ॥ द स्व व लि विधि ॥ ॥ ग ण ॥ व टु क ॥ क्ष [illegible] मा या मि नि ॥ इ न्द्रा दि ॥ द [illegible] का दि ॥ अ मि को ऊ आदि ॥ ज य
व्र ह्मा न्या दि ॥ य य य आ नू क्ष म न मा न क्ष पा न का ॥ ॥ व लि विधि ॥ ऊ ऊ वा दि ॥ [illegible] स धि ॥ म दा स्व लि ॥ द [illegible]
[illegible]ध्व न व लि ॥ ॥ [illegible] ॥ पा प [illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible]
स्वा हा ॥ ॐ [illegible] य स्वाहा ॥ ॐ [illegible]
[illegible] स्वाहा ॥ ॐ ह्रौं यं न [illegible] माय [illegible] माय स्वा हा ॥ ॐ [illegible]

यप्रयष्विमायस्वाहा॥ ॥ग्रादृनि त्राम्बिन हाम्राजवा॥ अनामहाअमाहरिभ्रा॥ [illegible] ॥
ज्ञोदना॥वदनीहला॥प्रियगु॥सूमुख॥समूर्ष्या॥गेनतिंस॥कक्ष्नसांनकानिसानिकद्यायहला॥ [illegible]
जन॥पद्मकणला॥वन्दगुडि॥गुगुवि॥सर्वसमी॥कीमा॥स्थूला॥कुला॥पकाना॥०ह्र॥दअङ्कुना॥पयसु॥न
याद्वाहस१०८॥नियाक्रूरुन१०८॥अर्घपात्रसनयाव॥ग्रूक्षागलसगङ्कयाना॥१०८॥ [illegible]
म१०८॥कृदायिमादनपाउ लि म्या लसन थावथसाचक दयं ग्रयथि नाङपद्मत्रि अनइ॥मूलमन्त्र [illegible]
नि१०॥ह्रं ब्रादि साकपा लसन्त्र नेघ नादृनि कालिका मर अमक्षाभिका त ओंजवलि यदि वलि दयाम॥ ॐ क्रौं पूर्व
स्वाहा॥पूर्व॥ॐ क्रौं मारु स्वाहा॥दक्षिण॥ॐ क्रौं गणेश स्वाहा॥पश्चिम॥ॐ क्रौं यक्ष स्वाहा॥उत्तर॥
ॐ क्रौं गृदस्य स्वाहा॥ह्रं आने॥ॐ क्रौं भूतस्य स्वाहा॥ आग्ने॥ॐ क्रौं नाक्षस स्वाहा॥ नैऋत्य॥ॐ क्रौं

नागेस्य स्वाहा॥वायव्य॥ॐ क्रौं नक्षत्र स्य स्वाहा॥सूर्यक्रम सान॥ ॥ॐ क्रौं नाशिस्य स्वाहा॥मध्य॥ॐ
विघ्नगणेस्य स्वाहा॥रुद्र नैऋत्य॥ॐ क्रौं क्षेत्रपालस्य स्वाहा॥वनुसोनि स्या मध्ये॥इति अन्दवलि॥वलि
लिह्रं ब्रादि।०॥ ॥ग्रा [illegible] दानी॥कसवलि विसर्जनं॥पचिवाल पूजा क्षाया॥पूर्व॥ [illegible]
क्रादु स्वा नमा लगदा नघलंम॥ग्रसजङमानयपुष्पीक लय सूज [illegible]
स्व पंसर्व सदक्षिदु नि स्व सूक्षि मस्तु॥ ॥ॐ क्रौं क्रौं क्रूं [illegible] स्वष्ठ न्दमहा [illegible] नवाय स्वाहा॥वाक्य॥ ॥ [illegible]
कोटि कपि लसूसूज नामगुलीप पयानि॥कवाङ [illegible] माकशुउ नम्र नाडा विश्व॥ [illegible]
सवाघेय [illegible] सहिषमहा [illegible] मा दाय पा [illegible] पायाधाघ [illegible] मान॥प्रनयसूदिन [illegible] नवका लगा [illegible]
अमृत [illegible] ॥ग्रा [illegible]॥ ॥ग्रभि [illegible]॥ ॥ [illegible] ॥ॐ ज्री [illegible] मियस्वाहा॥ [illegible]

हा॥ ॐ ह्रीं विद्युत्ज्वालिनिय स्वाहा॥ ॐ ह्रीं ज्वालाख्यिय स्वाहा॥ ॐ ह्रीं जूर्ध्वि [illegible]य स्वाहा॥ ॐ [illegible]
यय स्वाहा॥ ॐ ह्रीं [illegible] स्वाहा॥ ॐ ह्रीं [illegible]यै स्वाहा॥ ॐ ह्रीं हेरनाशय स्वाहा॥ ॥ख [illegible]
दी॥ अग्रेन विसर्जना॥ [illegible] ॥ कुवदाय [illegible] ग्रन्थिकाया वह्लाव प्रणीमन नल यउङमा नक्षुधि [illegible]
वदी॥ जय॥ ॥रक्ष्मनितिलकी॥ ॥यतुवामिसण्ड प का य स्रुमिका नहा॥ थमनय ङव वाला॥ [illegible]
लहनय॥ उङमा नक्षुदिन राक लॅन चकी॥ ॥वलिविसर्जना॥ ॥ॐ ह्रीं गाँ गीं गूं [illegible]य स्वाहा॥ [illegible]
कृति॥ ॥स्वकाद हिन्व पल न्व जीय॥ जिनावस्थ को काथ॥ ॥गौवूल॥ म्मलभ॥ मस्त्र स्रुध्याकदक न [illegible]
श्रम्र(आमृस्विक स्वाग्रे॥ ॥ॐ ह्रीं गस्थ गन्ध सूत्र (ग्रः अ्रा स्मारीहा न वा रू न उतब क्ष लख्या दव उत [illegible]
मान॥ न्यास लिकाय छ (थअन्ने ह दयु मकुण अ्रा स्मली न॥ स्रुमिक लघु विसर्जन॥ स्रूरु मनु था॥ उङ मा [illegible]

वलिक्र स र्घन॥ निर्वद्ध नादि॥ क लस्यारिषकस (गम णाथिज्ञाग वदि॥ साक्षि थाय॥ ॥गुरूउ पदा हनी॥ ॥
[illegible]मयाक्ष वने॥ कुमारी जाग॥ कुमारीपुजो पठन॥ कृ का झीय॥ जा का स्तुति॥ हिसा॥ सम्यक् हाड॥ कृ रदयप [illegible]
[illegible]हानकाड नक्ष्विय॥ त्रिव न्दयक माला॥ नर्यो न॥ ३आ समय कोष्ठ॥ ॥जय निका॥ ॥कलीको [illegible] ॥दक्षि
[illegible]॥ अरि सक॥ ॥ स(गमन॥ स्वान॥ ७कान का॥ स्वानकाकाया वविय॥ ॥अपियवि॥ कुमारी विसर्जन॥ थाय
[illegible] ॥साक्षि थाय॥ चतुर्थि पूजा माला॥ हिसा सोहमा॥ [illegible]
वतुर्थि क्रम हल मय्या स्वानली खस चायफल छ्याय॥ अभिवा छवा गर छ्या॥ ॥गु [illegible]
॥ ॥ॐ नमो ग्रामक्षा हे न माथे॥ ३॥ सस्थी जा न [illegible] [illegible] पज [illegible]
वद नेग्रीया मच वलि॥ थ्याने थ्याने कलीलस्यास [illegible] थाली भूरवियकि [illegible] पूर्व न [illegible]

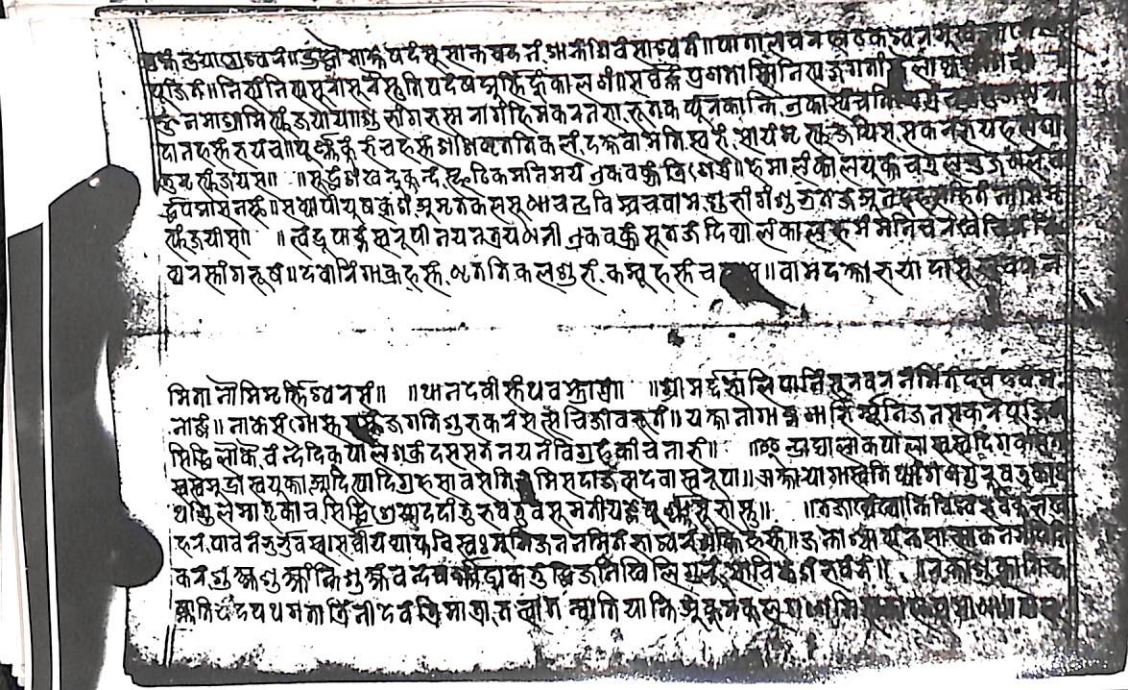

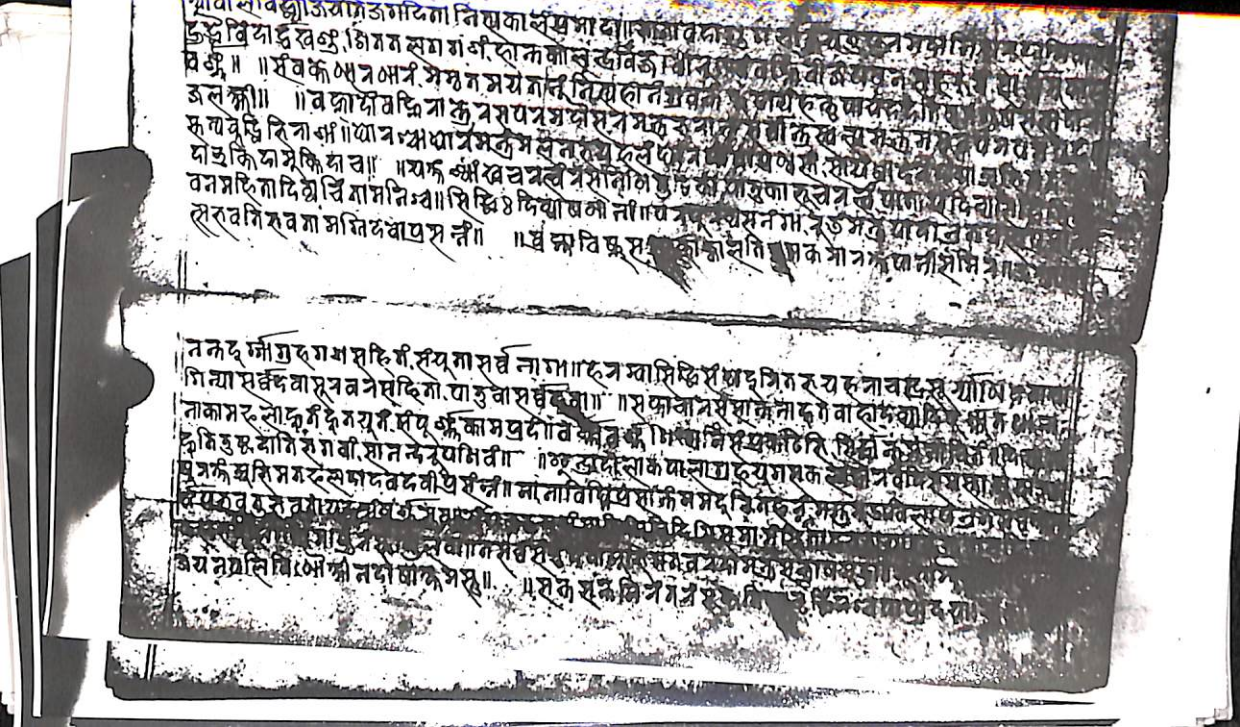

न्यावा ल विद्धा ऊंयाि जगदिना नि या कार्य प्रभा या॥ [illegible]

डूडूविया द्व खण्ड,सिमन सना गंगं.दा क का लु जर्विज [illegible]

व कु॥ ॥ संव क्व भन भन्नै.मम्हन मये मान्नं निय हा नि [illegible]

ऊ लक्ष्मी॥ ॥ व ज्ञा यी व ढि ना क्रु व स यन म यो स न म कु [illegible]

क ल्य वृद्धि हि ना भ॥ ध्या व ध्यायां म कृ म ल न [illegible]

यो श्रुकि या मूकि या व॥ ॥यश्रु श्री ख व य त्व य संलिमि [illegible]

व न म हि ना दिवो वि मा म नि ग्व॥ शि थ्वि ४ दिवा ख मी नी॥ [illegible]

ला र व नि ल व मा म नि द वा प्र स न्नी॥ ॥धं मा वि छ स [illegible]

न क द्ग्मी गु द ग या स हि मं.संयू मा सर्व ना गा॥ द्न म्वा सिद्धि [illegible]

गि न्या सर्व्वद वा सू न व ने सं द्दि मा.या शु वा स र्व [illegible]॥ ॥स का वा [illegible]

ना का म र लाद्र गं द्र म यू मं.संपूर्ण का म प्र दा व [illegible]

द्व मि हु छ दा नि ह ग वी.सा न न्द रूप भि वी॥ ॥ [illegible]

पु म कं ह्म ति म न द्स या द व द वी थ्र सं न्नी॥ मां ना वि थि प्र सा जि म [illegible]

[illegible]

[illegible]

ऊय न प्र हि वि।ओं श्री न दो षा के म स्तु॥ ॥ स के सं क मि न [illegible]

[illegible] ल्यकिव गुआ[illegible]ना सर्वदा॥ कालसति नवर्षला[illegible] स्नूयं [illegible] कुयजायूनी [illegible] मोदकामनाप[illegible]
का अवसूद्र [illegible] मांदोनमा॥ ॥ [illegible] री [illegible] पालेयी वी [illegible] मपा [illegible] नमंदि मंदिव [illegible]
[illegible] नरी गुरु व कुनिली लोका नू समकलासूधि नारुवकुप ॥ कालवर्ष [illegible] ये यो कृ [illegible] सयमा सिंनी॥ [illegible]
[illegible] नेदिमा [illegible] अर्स नुनि [illegible]॥ ॥ सूधिमा सर्वदवा [illegible] सकालयूगा [illegible] मूरथाति [illegible]
[illegible] सकलगुरु दयी सा कि कं यूथि यस्या॥ सीगो बानस्य सर्व [illegible] वत्र दाम [illegible] दाई [illegible]
सकलसूलग आयकूनूथी नभास्ना॥ ॥दवावर्ष नुकालरु नयोति वसू आ [illegible] मूआ [illegible] सिंगुमवा [illegible]
यनवियूत्र मति [illegible] नाजा अ [illegible]॥ सोयं कासा [illegible] यूवति [illegible] यानि [illegible] विगनी॥ लाका नारि [illegible]
वाधुरु वति वियूलेरु कि नबा [illegible] वास्नू॥ ॥[illegible] नभावा [illegible] नयथाय [illegible] वानि [illegible]

विभ्रन क्रमनमनमलि [illegible] यक्ष नस्कू यम सङ्ग नदाषदिगदरुव ननकू न यात्ता मवि स्वीगसर्व [illegible]
वं [illegible] नवदू नस्रा [illegible] सन्ना॥ ॥धाषनेवो गनत्रकि सावा वायस्थदू [illegible] मूनयप्रसादं॥ नूनानिकय
क्रकयाश्व [illegible] मस्व दव [illegible] मपाषदकी॥ ॥ [illegible] नक्राम्न संतु स्वम्न [illegible] पासायत्र [illegible] न्यादि [illegible] नींग
[illegible] वायप्रयां अदियामि नी सदि नायेगण वदूकयागिनी [illegible] पालाय दिमिविदि गिठू [illegible] दि लाक पालायगु [illegible]
दावनदारुवकु॥ कलय [illegible] लदि [illegible] नादिग्राम [illegible] यास्य [illegible] नीव नाय्य [illegible] सक्की नकि सदि नायगुविय
वत्रयारुवकु॥ श्री [illegible] नवानि [illegible] नकायसूत्रिदावनदोरुवकु॥ [illegible] यसूत्रि दावनपारुवकु॥ [illegible]
मस्त सव [illegible] गदूवकि [illegible] कपा थानिप नयाकि [illegible] सर्व [illegible] नसूखि नसुगा [illegible]॥ गाजा [illegible]
विउयनस्तु॥ प्रजा सूखिन संतु॥ [illegible] का लव [illegible]॥ विय देचे गुसदा नी [illegible]

वंद्धि नमः॥ ॥ॐ स्मऋ सानं स्म भरुमिद्धि नमः॥ यथा मानसी पूर्वसिद्धि स्थिर गति नाद भियं हृ श्री ॐ मूर्ति कृदपास्ना
स्व नेमि सुरर्पिय धात्रा स्त्राकर लर्व लदायि नामः॥ यत्र गानि नमिव नशिम नमः॥ यत्र मा नस्य सग न प्रमि
वा मा मा ज्ञा यूज्ञा मा स्वभिक्ष चर्येत नेमन सद्गि सगतिम का नवद्धि नमः॥ नाजामि गाऊ यन भद्वे न यन म
दृ. नक श्री श्री ऊय ऊमूक मर्त्त्य दव सावद्ध मिद्धि नमः॥ ॥वीगति सर्वस्तु मा मां. सिद्धि द्व नव नाच नश्रु कस्थान न
ना नादिरा स्त्री यनम स्वमी॥ कस्म नो भन सावाचाने द्व यादि गति मम॥ मन्वद्दी नं रूया द्दी नंद्रव द्दी नंडुयसो
गी॥ ऊपद्दा मो स्वर्न द्दी नंस्वर्न नित्य मया न व मूकिम वा स्फदि न कृ म त्र पून पन भंस्वना॥ ॥[illegible]
मिद्धि नमः॥ ॥ आदिसाक्ष गन[illegible]॥ का[illegible] स्वाय॥ पञ्च पति॥ व्रकाम ज्ञन कलिंग॥[illegible]मकि॥ यस्व
स्वन॥ पञ्चुस्वन॥ कीन स्वन॥ वं शु॥ वाग स्वन॥ स्मशानं ३॥ वान स्म शान॥ दनूमनु॥ मासद[illegible]॥ संद स स्व

का पिथि रसीन भनक्ता॥ सा मपि दाद कायाद्ध मकृन लप ज्ञा सा सा हि म ग्र॥ ॥ पो भाग॥ म का मा ग्री सम य॥ ग्र
लाम् लवय नथि वंथ ना॥ ॥ वंस्तु पिकमूद द्ध मं दय काव पूज्ञा वन॥ म त्रिवा द्ध वा न यांव सा मया स्व न लिख
सि मवाय व[illegible]॥ [illegible] नकि[illegible] मिसा मूमन्ना दूला॥ पंकि[illegible] जा सत्य क[illegible] स्तम य नमा॥
हुँ नमा श्रा पं स्य नया दि[illegible] ना॥ न म क्रुं[illegible]
हुँ ग्ल्यूँ पादुकादि॥ स्व स्व दगया॥ ॐ अ ह्रूं प्रान नंदी पन आदिवी[illegible]काल[illegible] स्व पालायश्री प्र पं स्यां पादुका
यहु पति॥ हुँ यँ ग्रौ हुँ [illegible] सूयाद ज्ञीय स्व साग म व या मखि नायल॥ ॥ श्री श्री पदु न सर्व वि[illegible]
सर्वरूमय क्का क्कं लम्बनम दार्ह नवायं स्वा हा॥ वलि स[illegible]काल स्व[illegible] पार्तन[illegible]॥ [illegible]
ॐ अँ श्री कु लगन स्व नाय नमः॥ क्का कुंन चीना स्वग जे पति याति॥ ॐ [illegible]

विना नर्ह्नि॥ ॥ॐ ह्रां ॐ मङ्गरोनवाय स्वाहा॥ लकेश्नवक्षि॥ ॥ॐ ग्लां ग्रामम्भाड लालोड्डासकायस्वा
हा॥ भम्भोगसार्ह्नि॥ ॥घेचोनन्दीचमला [illegible] पालायमभ्भोदवीध ह्रीं किमर्दिगाय स्वाहा॥ गुचाक
कनयानि॥ ॥श्रेकचटनचयगश्रुस्मारुकाय स्वाहा॥ श्रीवज्रायनीमदि [illegible] लाकोरा स्वाहा॥ माहकामय
नी॥ ॥ह्रां ह्रीं ह्रूं ति स्वास्वल्न न्दरोनवायनमः स्वाहा॥ गिवगंधियानि॥ ॥ह्रीं गवनीरक्षुनिकायस्वाहा॥ गौरि
गंधियानि॥ ॥ॐ ह्रीं ह्रूं नमा नानायविस्वामनह्रीं स्वाहा॥ विक्कगंधियानि॥ ॥ॐ ग ह्रां सौं मदाहाछिपूनस्र
ह्नीरवनिलडवस्रौ स्वाहा॥ रिदावद्धयानि॥ ॥ह्रां ग्रिमूनायमहारौनवाय स्वाहा॥ ग्रिगुनयानि॥ ॥ह्रीं
कुधानाय स्वाहा॥ ग्लौं मानत्राल्कि यानि॥ ॐ ह्रूं स ग्लौं वागुकीक्रुतपालाय स्वाहा॥ वागुकियानि॥ ॥ॐ वाच्छ
ठठनी स्वाहा॥ स्रनस्वगिगंधियानि॥ ॥ह्रीं ह्रीं ग्लूं पशुहाम्निस्वास्वक्षलेमहाहैनवायमहापाशुपतय स्वाहा॥

दसक्लिंगदवदवीस्रौ स्वाहा॥ मूसगंधियानि॥ ॥ह्रौं ग्रीसिद्धि सह्नी सौ स्वाहा॥ रौसूवर्क्षीपवदनाथक्रय
गुपकक्षेदवी स्वाहा॥ खौसिहलादीपक्रुगक्षक्रयपालाय स्वाहा॥ वक्षसादवीर्ह्नि॥ ॥ॐ हूं मा [illegible] य स्वाहा॥ ये यास्वा
ॐ ग्लौं वाग्मनीतिवासिनदेवदवीनि स्वा स्वाहा॥ वाग्मनीयानि॥ ॥ॐ ग्लौं नागमादवी [illegible] गकियेश्रीजयज्ञ
[illegible] ध्वनीदवी स्वाहा॥ जयमङ्गसार्ह्नि॥ ॥ॐ ग ग्लौं माडसीदवीस्वन [illegible] पकिताजयवलिध्वनीदवी स्वाहा॥ ॥
[illegible] नरादिर्ह्नि॥ ॥ॐ ॐ ग्लौं मांगकी [illegible]
[illegible] जय [illegible]
[illegible]
[illegible]

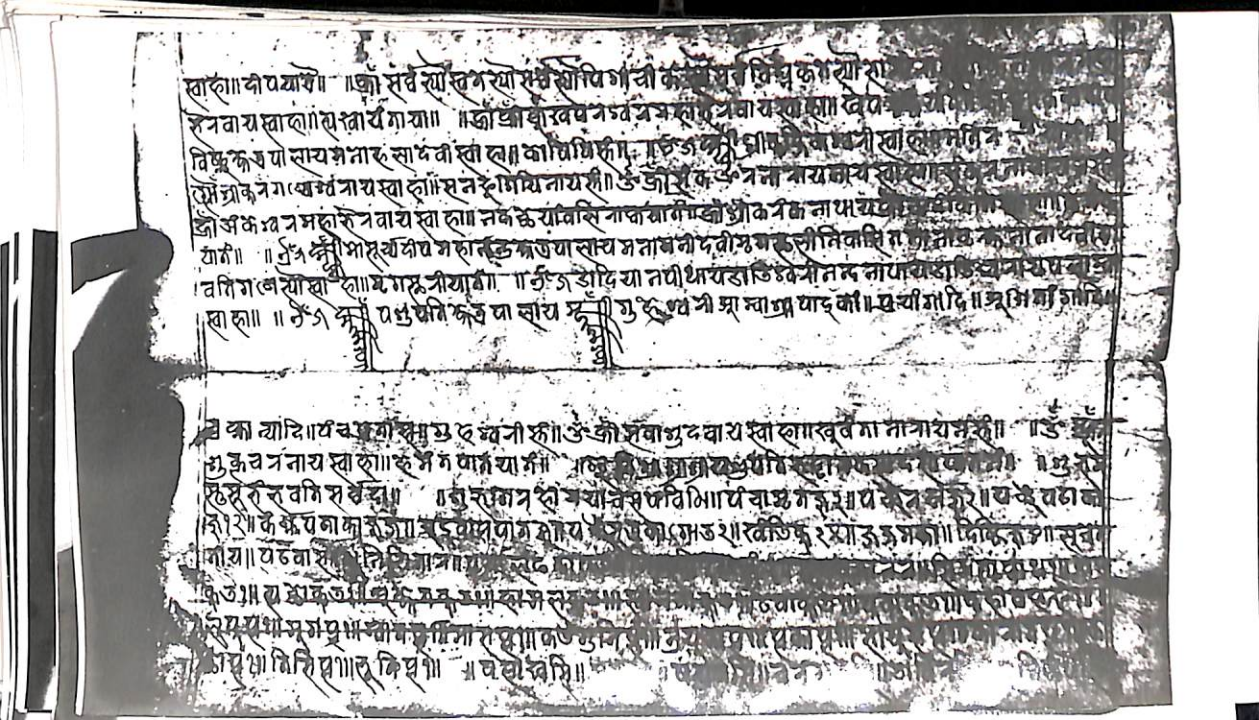

वनसि॥ अ्रूपामांसि॥ ष्पानसि॥ ॥ आमनसा॥ व्या नत्कानाा॥ खी अम्बू मानपजयना॥ वसु मगुलिगंभ॥
फालस॥ गुगुलि गुलि २०॥ वनाा॥ कंम॥ महामला॥ प्रियंगु॥ सूमूख॥ स्वालपाशाक॥ नूयकगव॥ नोसिक
ना॥ पनकेश्वन॥ डल्का लसक॥ ख्रारवी न्दा॥ अ्रगुल्लि॥ कुंकुम॥ त्रसामके मुली॥ लवंद॥ कपूलि॥ जिनसा ला॥ म
नव॥ पिपलि॥ शुंथि॥ दलुड॥ वदलुडा॥ अ्रम्वनो॥ वासाक॥ सिंघालि॥ थसामिडि॥ मखामा॥ खाउ सिंढ॥ ससा
दका॥ नइवा॥ रक्षसा॥ वच॥ नकचन्दन॥ गंगभसीखा॥ पेखअना॥ श्रामपान्ब१॥ उलिख्या लड०॥ श्रीखन्द॥ क
सुत्रि॥ कपत्रि॥ कुंकुम॥ अ्रगुलि॥ शिन॥ वासा॥ उगामोसि॥ ख्वमना साकगण॥ ॥खउ रेगगो॥ कमसंढ॥ नी
सिम॥ नवाग॥ मवच॥ नलिकन॥ ॥नियाह्यादन१०८॥ नीयाअ्रक्षन१०८॥ क्वाद्पानकाम रा॥ स(मनः॥
स्यला॥ सस्याग॥ मनच॥ पिपलि॥ शुंठि॥ त्रिदलो॥ सवंढ॥ जीनह्माल॥ लाला॥ शुकम्याल॥ सोंधू॥ शावाछ स
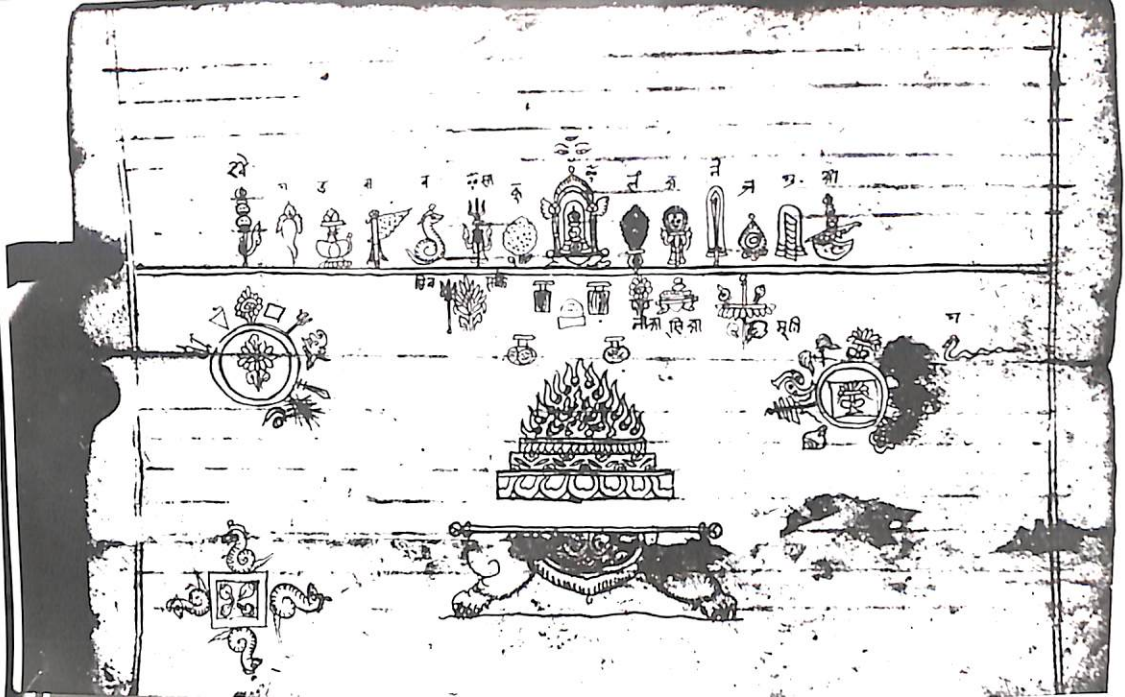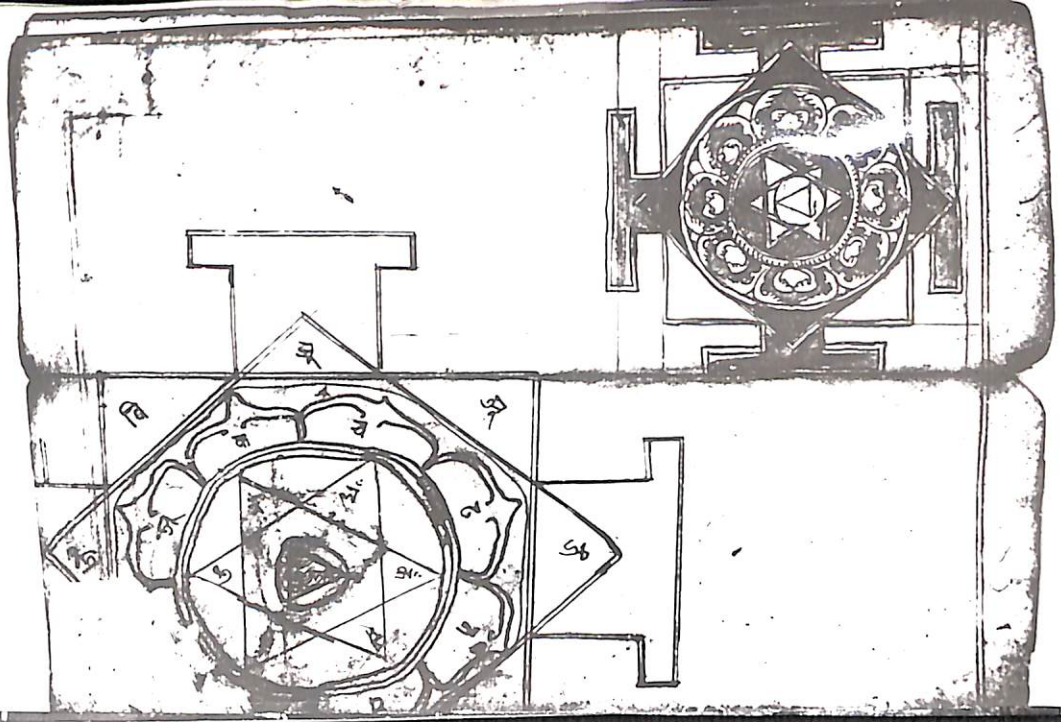
साहान॥ थमवासल॥ संह्र ८५२ माघ शुक्ल ३॥ थकन्न्वायञ नकाइ॥ लिखित उयक नाज॥ गुरा॥
ॐ नम॥ चण्डिकाय नमः॥ ॐ क्रां क्रीं सं स्वाहा॥ सूर्यया॥ ह्रां ह्रीं ग्लौं स्वाहा॥ मंगलया॥ म्लौं स्वाहा॥
बुधया॥ जां जीं जूं ग्लौं स[redacted] जीवाय स्वाहा बृहस्पतिया॥ अं अिं शुं ग्लौं स्वाहा॥ भलिव
नयाजप ॥